twitter.com/divyadelhi facebook.com/divyadelhi infodivyadelhi@gmail.com Editor: Rajesh Chauhan

RNI No. DELHI/2013/54397

DD

दिव्य दिल्ली

divyadelhi.com | सोमवार, 02 जून, 2025 | वर्षः 12, अंकः 203, पृष्ठः 08 | ₹ 05/- | दिल्ली से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

बंगाल की जनता ममता को सिंदूर की ताकत दिखाए: शाह

मुर्शिदाबाद हिंसा में हिंदुओं पर हुए अत्याचार पर फूटा अमित शाह का गुस्सा

कोलकाता
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पश्चिम बंगाल के दो दिवसीय दौरे पर हैं। रविवार को उन्होंने कोलकाता के नेताजी इंडोर स्टेडियम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेताओं और पदाधिकारियों को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने ममता सरकार और तृणमूल कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा।

उन्होंने कहा कि पूरे देश में चुनावी हिंसा बंद हो गई है, मगर बंगाल में चुनाव के समय और दीदी को विजय मिलने के बाद, सैकड़ों भाजपा के कार्यकर्ताओं को मौत के घाट उतार दिया जाता है। आपका समय अब समाप्त हो गया है, 2026 में बंगाल में भाजपा की सरकार बनने वाली है।

बंगाल में हिंसा जारी है: अमित शाह
अमित शाह ने कहा कि बंगाल की इस धरती पर चुनाव के दौरान और दीदी के चुनाव जीतने के बाद, भाजपा के अनेक कार्यकताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा भले ही खत्म हो गई हो, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है। दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है।

मुर्शिदाबाद हिंसा पर क्या बोले अमित शाह?
केंद्रय गृह मंत्री अमित शाह ने मुर्शिदाबाद हिंसा का जिक्र किया। मुर्शिदाबाद में हाल ही में हिंसा हुई। हमारा गृह मंत्रालय बार-बार कहता रहा कि इरऋ को बुला लीजिए, लेकिन इन्होंने नहीं बुलाया। क्योंकि अगर इरऋ आती, तो हिंदुओं की रक्षा होती। फिर भाजपा कार्यकर्ता हाई कोर्ट गए, तब जाकर इरऋआई और हिंदुओं को बचाया।

ममता बनर्जी ने ऑपरेशन सिंदूर का किया अपमानः अमित शाह
उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर टीएमसी नेताओं द्वारा की गई टिप्पणी का भी जिक्र किया। अमित शाह ने कहा,वोट बैंक के लिए ममता दीदी ने पतन की सीमा पार कर दी है। कुछ दिन पहले, पाक-प्रेरित आतंकियों ने हमारे निर्दोष नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिजनों के सामने मार दिया। इन आतंकियों को सजा देने के लिए ऑपरेशन सिंदूर किया गया। पाक के अंदर घुसकर आतंकियों के हेडक्वार्टर्स को तबाह कर दिया गया।

कलकत्ता के बाजार में युवाओं की नौकरियां बिकती हैं: अमित शाह

अमित शाह ने शिक्षक घोटाले को लेकर भी ममता सरकार को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा कि कलकत्ता के बाजार में युवाओं की नौकरियां बिकती हैं। इनके घरों से का इतना पैसा पकड़ा जाता है कि गिनते-गिनते मशीनें थक जाती हैं। बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है। ये घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है।

आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है: अमित शाह

शाह ने कहा कि आतंकियों की मौत पर दीदी को दर्द होता है। ममता बनर्जी ने घटिया सा राजनीतिक बयान देकर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध किया। आपने (ममता बनर्जी) ऑपरेशन सिंदूर का विरोध नहीं किया है, आपने इस देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ किया है। मैं बंगाल की माताओं-बहनों से अपील करने आया हूं कि आने वाले चुनाव में ऑपरेशन सिंदूर का विरोध करने वालों को सिंदूर की कीमत समझा देना। अवैध घुसपैठियों के मुद्दे को लेकर भी अमित शाह ने ममता सरकार पर निशाना साधा। बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है। ये घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है।

सबूत आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली स्थापित करना लक्ष्य: शाह

कोलकाता
केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कोलकाता के राजारहाट में केंद्रीय फॉरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (सीएफएसएल) की नई इमारत का उद्घाटन करते हुए कहा कि केंद्र सरकार का मुख्य उद्देश्य एक पुख़्ता, सबूत-आधारित आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस दिशा में तकनीक की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी।अमित शाह ने कहा, "हमारी कोशिश है कि आपराधिक न्याय प्रणाली बहस आधारित नहीं बल्कि साक्ष्य आधारित हो। इससे न केवल दोषियों को संदेह का लाभ मिलने से रोका जा सकेगा बल्कि पीड़ितों को भी न्याय सुनिश्चित किया जा सकेगा।" उन्होंने जोर देकर कहा कि अपराधियों से दो कदम आगे रहकर जांच करना जरूरी है और इसमें आधुनिक तकनीक की अहम भूमिका है। उन्होंने बताया कि डीएनए सीक्वेंसिंग की मदद से 20 साल पुराने मामलों को सुलझाया गया है और फॉरेंसिक ऑडिट्स से कई आर्थिक अपराधों का खुलासा हुआ है

गृह मंत्री ने यह भी जानकारी दी कि केंद्र सरकार देश में फॉरेंसिक विज्ञान सुविधाओं के आधुनिकीकरण के लिए करीब 2,800 करोड़ रुपये की परियोजना ला रही है। इसके तहत 200 करोड़ रुपये की लागत से एक राष्ट्रीय फॉरेंसिक डाटा केंद्र भी स्थापित किया जाएगा, जहां कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की सहायता से विशाल डेटा विश्लेषण किया जाएगा।

गुजरात के मंत्री का बेटा मनरेगा घोटाला मामले में गिरफ्तार

दाहोद
गुजरात सरकार के पंचायत और कृषि राज्यमंत्री बचुभाई खाबड़ के बेटे बलवंत खाबड़ को एक और मनरेगा घोटाले के मामले में रविवार को गिरफ्तार कर लिया गया। यह गिरफ्तारी ऐसे समय हुई है जब कुछ दिन पहले ही उन्हें एक पुराने मामले में जमानत मिली थी।

पहले भी हो चुकी है गिरफ्तारी
बलवंत और उनके भाई किरण, दोनों को 16 मई को मनरेगा से जुड़े एक कथित 71 करोड़ रुपये के घोटाले में धोखाधड़ी, जालस-ाजी और विश्वासघात के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद 29 मई को दोनों को जमानत मिल गई थी। लेकिन जैसे ही किरण जेल से बाहर आए, पुलिस ने उन्हें एक और नए मामले में उसी दिन फिर से गिरफ्तार कर लिया। अब 1 जून को बलवंत को भी नए मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या है नया मामला?
दाहोद के 'बी' डिवीजन पुलिस थाने में 31 मई को एक नई एफआईआर दर्ज की गई। इसके अनुसार, बलवंत की कंपनी 'श्री राज कंस्ट्रक्शन कंपनी, पीपेरो' ने वर्ष 2022-23 में दाहोद जिले के धनपुर तालुका के भानपुर गांव में मनरेगा के तहत काम किए बिना ही ?33.86 लाख की सरकारी भुगतान ले लिया। बलवंत ने कुछ सरकारी कर्मचारियों की मिलीभगत से बिना सामग्री की आपूर्ति किए और बिना काम किए हुए फर्जी दस्तावेजों के जरिए भुगतान हासिल कर लिया।

हिमाचल के कई क्षेत्रों में बारिश, मनाली की चोटियों पर बर्फबारी

शिमला
हिमाचल प्रदेश में जून के महीने में भी बर्फ गिर रही है। राजधानी शिमला और मैदानी इलाकों में बीती रात हुई बारिश के बाद जहां रविवार को मौसम साफ बना हुआ है वहीं मनाली और आसपास के क्षेत्रों में रुक-रुक कर बारिश हो रही है। मनाली की ऊंची चोटियों पर ताजा बर्फबारी से पहाड़ों ने बर्फ की सफेद चादर ओढ़ ली है। राज्य की उच्च पर्वत श्रंखलाओं पर हो रही बर्फबारी से जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति के केलंग, कुकुमसेरी और ताबो जैसे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में तापमान में गिरावट आई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता परिवार संग पहुंची हरिद्वार, लगायी गंगा में डूबकी।

देश में कोरोना के बढ़ते मामलों ने डराया

सक्रिय मरीज अब 3758, केरल में आंकड़ा 1400 के पार

नई दिल्ली
देश में कोरोनाके बढ़ते मामलों ने डराना शुरू कर दिया है। बीते 24 घंटे में देश में कोरोना के सक्रिय मरीजों की संख्या में भारी उछाल देखा गया है। मौजूदा समय में देश में 3758 कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है। केरोना को मात देने वालों की बात करें तो बीते दिन से अब तक 1818 लोग संक्रमण से मुक्त हुए, जबकि दो कोरोना संक्रमितों की मौत भी हुई है।

महाराष्ट्र-दिल्ली में 400 से ज्यादा एक्टिव केस
राज्यवार आंकड़ों की बात करें तो केरल में कोरोना के 64 नए मामले सामने आए हैं। यहां अब सक्रिय मरीजों का आंकड़ा 1400 पहुंच गया है। ऐसे ही महाराष्ट्र में 485, दिल्ली में 436, गुजरात में 320, पश्चिम बंगाल में 287, कर्नाटक में 238, तमिलनाडु में 199 और उत्तर प्रदेश में 149 कोरोना संक्रमितों का इलाज चल रहा है। हालांकि, ज्यादातर मरीज होम आइसोलेशन में ही ठीक हो रहे हैं।

दो संक्रमितों की जान गई
कोरोना से होने वाली मौतों की बात करें तो बीते दिन से अब तक दो कोरोना संक्रमितों की मौत की पुष्टि हुई है। मौतें केरल और कर्नाटक में दर्ज की गईं। कर्नाटक में 63 वर्षीय पुरुष और केरल में 24 वर्षीय महिला की मौत हुई। दोनों अन्य बीमारियों से भी परेशान थे।

एक तिहाई मरीज हुए ठीक
केंद्र सरकार के कोविड डैश बोर्ड के अनुसार, कोरोना के बढ़ते मामलों के साथ संक्रमण से मुक्त होने वाले मरीजों की संख्या भी बढ़ रही है। अब तक करीब एक तिहाई मरीज कोरोना पॉजिटिव होने के बाद इससे मुक्त हो चुके हैं।

किसी को डांटना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली
सुप्रीम कोर्ट ने एक छात्र को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में दोषी ठहराए गए व्यक्ति को बरी कर दिया है। एक स्कूल और छात्रावास के प्रभारी ने एक छात्र की शिकायत पर छात्र को डांट दिया था। डांटने के बाद छात्र ने आत्महत्या कर ली थी। जिसके बाद आरोपी स्कूल प्रभारी को आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया था।

पीठ ने क्या कहा
जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने अपने फैसले में कहा कि 'कोई भी सामान्य व्यक्ति यह नहीं सोच सकता कि डांटने से ऐसी त्रासदी हो सकती है। पूरे मामले पर विचार करने के बाद हमें लगता है कि कोई भी सामान्य व्यक्ति यह कल्पना नहीं कर सकता था कि एक छात्र की शिकायत के आधार पर छात्र को डांटने पर ऐसी घटना हो सकती है।' सुप्रीम कोर्ट ने मद्रास उच्च न्यायालय का आदेश पलट दिया। उच्च न्यायालय ने स्कूल प्रभारी को बरी करने से इनकार कर दिया था।

पीठ ने कहा- शिकायत पर डांटना गलत नहीं
सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि छात्र की शिकायत पर डांटना एक उपचारात्मक उपाय है, जिससे लगे की शिकायत पर ध्यान दिया गया। आरोपी के वकील ने कहा कि डांट एक अभिभावक के तौर पर थी ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि मृतक दोबारा गलती न करे। वकील ने दलील दी।

'कुरैशी या व्योमिका को चुनाव प्रचार का चेहरा बनाने की खबरें फर्जी'

नई दिल्ली
भारतीय जनता पार्टी के नेता अमित मालवीय ने रविवार को उन खबरों को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें कहा गया था कि पार्टी की कर्नल सोफिया कुरैशी या विंग कमांडर व्योमिका सिंह को चुनाव प्रचार का चेहरा बनाने की कोई योजना है। एक प्रतिष्ठित मीडिया संस्थान की ओर से प्रकाशित रिपोर्ट को फर्जी बताते हुए अमित मालवीय ने कहा कि भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी की टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया। भाजपा आईटी सेल के राष्ट्रीय

संयोजक ने ट्वीट किया कि यह फर्जी खबर है। भाजपा की कर्नल सोफिया कुरैशी या विंग कमांडर व्योमिका सिंह को अभियान का चेहरा बनाने की कोई योजना नहीं है। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी द्वारा की गई टिप्पणियों को गलत तरीके से पेश किया गया है। उन्होंने कर्नल सोफिया कुरैशी को समुदाय के भीतर एक सशक्त मुस्लिम महिला के उदाहरण के रूप में उजागर करने के बारे में बस एक सीमित बात कही थी।

मीडिया रिपोर्ट में क्या दावा किया गया?
मीडिया रिपोर्ट में कहा गया कि कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह भाजपा के चुनाव अभियान का चेहरा होंगे। इसमें कहा गया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' पर प्रेस ब्रीफिंग का नेतृत्व करने वाली कर्नल सोफिया कुरैशी और विंग कमांडर व्योमिका सिंह 19 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के 11 साल पूरे होने पर भाजपा की ओर से शुरू किए जाने वाले महत्वाकांक्षी महिला केंद्रित अभियान का चेहरा होंगी। अमित मालवीय ने इसे एक फर्जी खबर बताया।

बब्बर खालसा आतंकी पुलिस से मुठभेड़ में घायल

अमृतसर
बब्बर खालसा इंटरनेशनल आतंकी संगठन के आतंकी गुरलाल सिंह की निशानदेही पर पुलिस हथियार बरामद करने सुल्तानविंड क्षेत्र में पहुंची थी। हथियार बरामद होने पर आतंकी ने पुलिस पार्टी पर गोली चलाई और जवाबी कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आतंकी की टांग पर गोली मार कर उसे जख्मी कर दिया। घटना रविवार दोपहर की है। गुरलाल सिंह और करजप्रीत सिंह को सुल्तान विंड क्षेत्र में फर्नीचर कारोबारी पर गोलियां चलाने के आरोप में गिरफ्तार किया था। आरोपी तो ने पूछताछ में बताया था कि एक पिस्टल उन्होंने सुल्तान विंड क्षेत्र में छुपा कर रखी हुई है। पुलिस रविवार को पिस्तौल बरामद करने पहुंची। जैसे ही आरोपित गुरलाल को पिस्तौल बरामद करने के लिए खुला छोड़ गया तो उसने पिस्तौल बरामद कर पुलिस पार्टी पर फायर कर दिया। पुलिस ने भी तुरंत कार्रवाई करते हुए एक गोली गुरलाल को मारी और उसे जख्मी कर दिया।

गुरुग्राम: एक राष्ट्र, एक चुनाव राष्ट्रहित का विचार है: नायाब सैनी

मुख्यमंत्री ने गुरुग्राम में 'वन नेशन-वन इलेक्शन' के विचार के प्रचार प्रसार में युवाओं से सहभागी बनने का किया आह्वान

गुरुग्राम
हरियाणा के मुख्यमंत्रीनायब सिंह सैनी ने कहा किएक राष्ट्र एक चुनाव(वन नेशन वन इलेक्शन) सिर्फ एक राजनीतिक विचार नहीं है, यह राष्ट्रहित का विचार है।

यह समय, संसाधन और जन-भागीदारी को और अधिक सशक्त करने वाला विचार है। मुख्यमंत्री ने यह बात रविवार को गुरुग्राम में 'एक राष्ट्र एक चुनाव' थीम पर आयोजित

'गुरुग्राम रन' की शुरूआत से पूर्व अपने संबोधन में कही। उन्होंने कहा कि यह वह विचार है,जिसके अनुसार जब एक राष्ट्र एक साथ चलता है, तब वह हर बाधा को पार कर सकता है। जब देश एक साथ सोचता है, तब वह हर संकट का समाधान निकाल सकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 'वन नेशन-वन इलेक्शन सिर्फ एक नारा नहीं है,बल्कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उस समग्र सोच का प्रतीक है, जो एकता में शक्ति को मानती है।वन नेशन-वन इलेक्शन' प्रधानमंत्री के उसी सपने की कड़ी है, जिसे हमने 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के रूप में देखा है। यह विचार देश के हर नागरिक को एक समान अवसर देता है, एक साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

उन्होंने कहा कि जब युवा शक्ति आगे आती है तो निश्चित रूप से बदलाव की लहर उठती है। 'गुरुग्राम रन' में भाग ले रही युवा शक्ति इस बात का प्रतीक है कि भारत का भविष्य जाग चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा यह दौड़ सिर्फ शरीर की फिटनेस की नहीं, लोकतंत्र की फिटनेस का भी प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा किवन नेशन-वन इलेक्शनको सफल बनाना हैतो हमें नवाचार की, संवाद की और संवेदनशीलता की जरूरत है। उन्होंने युवा शक्ति से आह्वान किया कि वे कॉलेजों में, गाँव की चौपालों में, सोशल मीडिया पर इसकी चर्चा कर एक सार्थक माहौल बनाने में सहभागी बने।

उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का काम नहीं है। यह राष्ट्र निर्माण का कार्य है, जिसमें हर नागरिक की भूमिका अनिवार्य है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि गुरुग्राम सिर्फ एक आधुनिक शहर नहीं है। आधुनिक तकनीक, नवाचार और कौशलयुक्त युवाओं की शक्ति का केंद्र बन चुके माता शीतला की इस पावन धरा से निकली प्रेरणा पूरे हरियाणा में और फिर पूरे भारतवर्ष में परिवर्तन का संकल्प बन सकती है। इस अवसर पर मंत्री राव नरबीर, खेल राज्य मंत्री गौरव गौतम, बिमला चौधरी, विधायक मुकेश शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल,भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, पूर्व सांसद सुनीता दुग्गल, मेयर राज रानीतथा हरियाणा सीएसआर ट्रस्ट के पूर्व सीईओ बोधराज सीकरी मौजूद रहे।

ब्राजील महत्वपूर्ण साझेदार, उसे भारत के आतंकवाद विरोधी रुख के बारे में बताना जरूरी : शशि थरूर

थरूर ने कहा कि ब्राजील एक महत्वपूर्ण साझेदार है और आतंकवाद पर भारत के रुख के बारे में उन्हें पूरी जानकारी देना महत्वपूर्ण है।

एजेंसी

ब्रासीलिया। कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व में भारत से एक सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल रविवार को ब्राजील पहुंचा। यह प्रतिनिधिमंडल ऑपरेशन सिंदूर के तहत सरकार के चल रहे कूटनीतिक प्रयासों के तहत सीमा पार आतंकवाद के खिलाफ वैश्विक समर्थन को मजबूत करने और आतंकवाद पर भारत के जीरो टॉलरेंस के रुख को पेश करने के लिए ब्राजील पहुंचा।

यह प्रतिनिधिमंडल, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के सदस्य शामिल हैं, पांच देशों गुयाना, पनामा और कोलंबिया की यात्रा पूरी करने के बाद ब्रासीलिया पहुंचा है। प्रतिनिधिमंडल का ब्राजील स्थित भारतीय मिशन के प्रभारी संदीप कुमार कुजूर ने हवाई अड्डे पर स्वागत किया। थरूर ने कहा कि ब्राजील एक महत्वपूर्ण साझेदार है और आतंकवाद पर भारत के रुख के बारे में उन्हें पूरी जानकारी देना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने समाचार एजेंसी से बात करते हुए कहा, ÷हम पांच

देशों की यात्रा पर हैं। हम पहले ही तीन देशों - गुयाना, पनामा और कोलंबिया की यात्रा कर चुके हैं। अब हम ब्राजील में हैं। आज आराम का दिन है, जो टीम ने हमारे जाने के बाद से काफी व्यस्त कार्यक्रम के बाद अर्जित किया है। वाशिंगटन जाने से पहले ब्राजील में हमारी पूरे दिन की बैठक निर्धारित हैं, जो हमारी यात्रा का अंतिम पड़ाव है। थरूर ने इस यात्रा के महत्व के बारे में बताते हुए कहा, ब्राजील इस क्षेत्र में एक प्रमुख शक्ति है। यह हमारा एक ब्रिक्स साझेदार है और हमारे संबंधों को 2006 में रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया गया था। हालांकि ब्राजील वर्तमान में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का सदस्य नहीं है, लेकिन हमने महसूस किया कि आतंकवाद पर हमारी स्थिति से उन्हें पूरी तरह अवगत रखना और बातचीत के हमारे खुले चैनलों को जारी रखना महत्वपूर्ण है। कांग्रेस सांसद ने पूर्व पड़ावों पर प्रतिनिधिमंडल के स्वागत पर भी विचार किया तथा भारत की स्थिति के प्रति व्यापक समझ और समर्थन का उल्लेख किया। उन्होंने कहा, सुरक्षा परिषद के सदस्य गुयाना और पनामा में प्रतिक्रिया बहुत सकारात्मक रही है। आतंकवाद के खिलाफ हमारी लड़ाई के लिए जबरदस्त समझ और एकजुटता थी।

भाजपा ने केरल के नीलांबर विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए मोहन जॉर्ज घोषित किया उम्मीदवार

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने केरल में विधानसभा के उपचुनाव में नीलांबर सीट के लिए मोहन जॉर्ज को प्रत्याशी घोषित किया है। पार्टी के महासचिव अरुण सिंह ने आज यहां एक विज्ञप्ति में बताया कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति ने नीलांबर सीट से श्री जॉर्ज की उम्मीदवारी को स्वीकृति प्रदान की है।

स्टालिन ने किया विधानसभा चुनाव का शंखनाद

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम(द्रमुक) अध्यक्ष एम.के. स्टालिन ने रविवार को मदुरै में पार्टी की महत्त्वपूर्ण महासभा की बैठक की अध्यक्षता की जिससे वर्ष 2026 विधानसभा चुनावों की रणनीति तय करने की प्रक्रिया शुरू हो गयी। इससे पहले उन्होंने 25 किलोमीटर लंबा भव्य रोड शो करके चुनाव प्रचार का आगाज किया। इस रोड शो में जनता का उत्साह और समर्थन देखने लायक था। इसके बाद पार्टी की महासभा बैठक में श्री स्टालिन के संबोधन पर राजनीतिक हलकों में पैनी नजर थी, जहां उनसे चुनावी रोडमैप प्रस्तुत करने की उम्मीद की जा रही थी। द्रमुक की नीति निर्धारण करने वाली सर्वोच्च संस्था महासभा की बैठक मदुरै में 48 वर्षों बाद आयोजित की

गयी है। पिछली बार यह बैठक वर्ष 1977 में हुई थी, जब दिवंगत नेता के. अन्बझगन को महासचिव चुना गया था। वह आजीवन इस पद पर बने रहे। बैठक स्थल को चेन्नई स्थित द्रमुक मुख्यालय 'अन्ना अरिवालयम' की तर्ज पर सजाया गया था। वहां पार्टी संस्थापक सी.एन. अन्नादुरई, पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि, समाज सुधारक पेरियार और श्री स्टालिन के विशाल कटआउट लगाए गए थे। पूरा शहर पार्टी के झंडों और पोस्टरों से सजा हुआ था। माहौल किसी उत्सव से कम नहीं लग रहा था। इस महासभा में 6,500 से अधिक महासभा सदस्य सहित कुल 10,000 से ज्यादा पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक का उद्देश्य पार्टी कैडरों को आगामी चुनाव के लिए तैयार करना और उन्हें जीत सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करना है। द्रमुक का लक्ष्य वर्ष 2021 की तरह जोरदार जीत दोहराते हुए लगातार दूसरी बार सत्ता में लौटना है, जब श्री स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। इस बार पार्टी ने 200 से अधिक सीटें जीतने का लक्ष्य रखा है। मुख्यमंत्री की दो दिवसीय मदुरै यात्रा का मुख्य आकर्षण उनका भव्य रोड शो रहा, जिसे दक्षिणी जिलों में पार्टी की शक्ति प्रदर्शन और कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के रूप में देखा जा रहा है।

पुणे में झील में डूबने से चार किशोरों की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में पुणे जिले के चाकन के पास एक झील में शनिवार को तैरते समय चार किशोरों की डूबने से मौत हो गयी। अधिकारियों ने आज इसकी पुष्टि की। उन्होंने बताया कि कल शाम को चारों शव पझर झील से बरामद किए गए। अधिकारियों के अनुसार कल तैरते समय लड़के झील की गहराई का अंदाजा नहीं लगा पाए। जब वे घर नहीं लौटे, तो उनके परिजनों ने अधिकारियों को सूचित किया। पीड़ितों की पहचान ओमकार बाबासाहेब ह्यंगे (13), श्लोक जगदीश मानकर (11), प्रसाद शंकर देशमुख (11) और

नैतिक गोपाल मोरे (12) के रूप में हुई है। ये सभी मेदंकरवाड़ी के रहने वाले थे। वे प्रवासी श्रमिकों के परिवारों से थे और रोजगार के लिए चाकन में आए हुए थे।पुलिस के अनुसार, झील के किनारे लड़कों के कपड़े और जूते मिलने के बाद तलाशी अभियान शुरू किया गया। स्थानीय निवासी, चाकन पुलिस और ट्रेकिंग समूह बचाव प्रयासों में शामिल हुए और शाम तक चारों शव बाहर निकाल लिए गये।

जमीनी स्तर पर प्रत्येक स्टेक होल्डर से बात कर बने हर क्षेत्र की नीति-देवनानी

जयपुर । राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि जमीनी स्तर पर संबंधित स्टेक होल्डर से गहन मंथन के बाद ही राज्य में पॉलिसी तैयार की जानी चाहिए। श्री देवनानी ने विधानसभा परिसर में राज्य की पॉलिसी, इशू और एडमिनिस्ट्रेशन पर रिसर्च करने वाले एसोसिएशन फॉर पॉलिसी

एनालिसिस एंड इंटलेक्चुअल एनरिचमेंट (अपाई) की कोर ग्रुप की बैठक में यह बात कही। उन्होंने कहा कि पॉलिसी तैयार होने के बाद उसके क्रियान्वयन को लेकर गंभीरता से कदम उठाने होंगे।

राजस्थान में एनआईए की बड़ी कार्रवाई

पाक जासूसी नेटवर्क से जुड़े संदिग्ध के ठिकाने पर छापा

- पाक जासूसी केस में 8 राज्यों के 15 ठिकानों पर छापेमारी

एजेंसी

जयपुर। पाकिस्तान समर्थित जासूसी नेटवर्क को लेकर राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने राजस्थान में बड़ी कार्रवाई की। एनआईए की टीम ने राज्य के एक अहम ठिकाने पर छापेमारी कर अहम दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक सबूत जब्त किए हैं। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स से जुड़े संदिग्धों की भूमिका की जांच के तहत की गई है। सूत्रों के मुताबिक, एनआईए को इनपुट मिला था कि राजस्थान में कुछ व्यक्ति पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी से संपर्क में हैं और गोपनीय जानकारी साझा कर रहे हैं। इस आधार पर जयपुर सहित अन्य स्थानों पर छापा मारा गया। कार्रवाई के दौरान टीम को कई डिजिटल डिवाइस, संदिग्ध फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन से जुड़े कागज़ात और अन्य आपत्तिजनक सामग्री हाथ लगी है। एनआईए की जांच में सामने आया है

कि संदिग्धों को पाकिस्तान से हवाला के जरिये फंडिंग हो रही थी और वे भारत की सामरिक जानकारियां लीक कर रहे थे। यह जासूसी नेटवर्क 2023 से सक्रिय बताया जा रहा है, जिसकी कड़ी राजस्थान से भी जुड़ती दिख रही है। एनआईए पहले ही इस केस को गंभीर मानते हुए आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम 1923 और यूएपीए एक्ट 1967 सहित अन्य धाराओं के तहत दर्ज कर चुकी है। राजस्थान में की गई कार्रवाई को जांच की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर एक साथ बड़ी छापेमारी की। यह कार्रवाई पाकिस्तान इंटेलिजेंस ऑपरेटिव्स से जुड़े संदिग्धों के खिलाफ की गई। एनआईए ने जिन राज्यों में छापे मारे उनमें दिल्ली, महाराष्ट्र (मुंबई), हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान टीमों ने संदिग्धों के ठिकानों से कई इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस, संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। ये सभी सबूत पाकिस्तान के इशारे पर भारत में चल रहे जासूसी नेटवर्क की जांच के तहत खंगाले जा रहे हैं। जांच में सामने आया है कि जिन लोगों के यहां छापे मारे गए, उनके पाकिस्तान स्थित जासूसी नेटवर्क से सीधे संपर्क थे। यह भी पता चला है कि इन लोगों को भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वित्तीय मदद मिल रही थी। एनआईए ने इस केस (RC-12/2025/NIA/DLI) को 20 मई को दर्ज किया था। इसकी शुरुआत उस आरोपी की गिरफ्तारी से हुई थी, जो 2023 से ही PIOs के साथ मिलकर संवेदनशील सूचनाएं साझा कर रहा था। बदले में उसे भारत के विभिन्न राज्यों में हवाला के जरिए पैसे मिल रहे थे।

भारत-पाक सीजफायर पर केंद्र सरकार को जवाब देना होगा : पवन खेड़ा

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पवन खेड़ा ने ऑपरेशन सिंदूर पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान के एक बयान को आधार बनाकर केंद्र सरकार पर रविवार को जोरदार निशाना साधा। पवन खेड़ा ने कहा कि देश की जनता को यह जानने का हक है कि किन परिस्थितियों में भारत-पाक के बीच सीजफायर हुआ।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत के दौरान पवन खेड़ा ने कहा कि हम लगातार जो सवाल उठा रहे हैं, उसके कारण हमें देशद्रोही कहा जा रहा है। अब तो सीडीएस (चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ) ने भी विदेश जाकर स्वीकार किया है कि हमारे विमान गिराए गए। देश को यह जानने का अधिकार है कि किन परिस्थितियों में ऐसा हुआ। इसके क्या कारण थे और इसका समाधान क्या है। भारत-पाक के बीच इतनी जल्दी सीजफायर क्यों कर दिया गया। जबकि, हमारी सेनाओं ने पाकिस्तान को घुटने पर लाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी थी। सवाल यह है कि केंद्र सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से इतना क्यों डरती है। केंद्र सरकार से सारे सवाल पूछे जाएंगे और उन्हें जवाब देना होगा। इसलिए, कांग्रेस पार्टी संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग कर रही है, जहां केंद्र सरकार

देश की जनता को सारे सवाल के जवाब दें। ऑपरेशन सिंदूर पर क्रेडिट लेने के एक सवाल के जवाब में कांग्रेस वरिष्ठ नेता ने कहा कि पीएम मोदी डोनाल्ड ट्रंप के आंखों में आंख मिलाकर क्यों नहीं कहते हैं कि सीजफायर को लेकर मध्यस्थता की बात झूठ है। पूरा देश पीएम मोदी के साथ खड़ा हो जाएगा।

लालू और तेजस्वी यादव बताएं राजद में जयचंद कौन : मनीष यादव

'यह लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी और तेजप्रताप यादव का अंदरूनी मामला है।'

एजेंसी

पटना। राजद से 6 साल के लिए निष्कासित तेजप्रताप यादव ने रविवार को लालू यादव और राबड़ी देवी के लिए सोशल मीडिया पर एक भावुक संदेश लिखा। उन्होंने माता-पिता को अपनी दुनिया बताया। तेजप्रताप के पोस्ट पर जदयू का बयान सामने आया है। पार्टी ने कहा कि वैसे तो यह उनके परिवार का अंदरूनी मामला है, लेकिन सवाल यह है कि जयचंद कौन है?

जदयू प्रवक्ता मनीष यादव ने कहा, 'तेजप्रताप ने जो भी पोस्ट किया है, हम उसमें नहीं पड़ना चाहते हैं, क्योंकि यह उनके परिवार का निजी मामला है। यह लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी और तेजप्रताप यादव का अंदरूनी मामला है। लेकिन,

सबसे बड़ा सवाल यह है कि उन्होंने 'जयचंद' का जिक्र किया और कहा कि जयचंद की वजह से ही उनकी यह हालत है और पार्टी की मौजूदा बुरी हालत भी जयचंद की वजह से ही है। अब सवाल यह है कि जयचंद कौन है? मनीष यादव ने आगे कहा, जयचंद के बारे में कौन बताएगा? क्या लालू यादव बताएंगे या फिर तेजस्वी या राष्ट्रीय जनता दल बताएगी? जयचंद के मामले में बयान कब आएगा? मैं पूछना चाहता हूं कि जब उन (तेजप्रताप यादव) पर कार्रवाई पोस्ट के माध्यम से हुई है तो उन्हें (आरजेडी) जयचंद पर भी बयान देना चाहिए। लालू परिवार को बताना चाहिए कि यह जयचंद कौन है?' एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर जेडीयू प्रवक्ता मनीष यादव ने कहा, 'देश तेजी से आगे बढ़ रहा है, बिहार तेजी से आगे बढ़ रहा है और कांग्रेस के समय में जो हम देखते थे कि आतंकवादी घुसपैठ कर देश के अंदर हमले करते थे, अब ऐसा नहीं होता। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। हर पहलू में देश मजबूत हुआ है।

खड़गे को राफेल की नहीं, कांग्रेस की चिंता करनी चाहिए जो डूब रही है : आचार्य प्रमोद कृष्णम

'विपक्ष नरेंद्र मोदी का अपमान नहीं कर रहा है बल्कि वो भारत के सम्मान, शौर्य का अपमान कर रहा है।'

एजेंसी

संभल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता पर विपक्ष के आरोपों पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने विपक्ष को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि विपक्ष को इस बात का डर सताता है कि जब तक देश में पीएम मोदी रहेंगे उनकी सत्ता में वापसी तय नहीं है।

रविवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर कहा कि वे कांग्रेस के बहुत वरिष्ठ नेता हैं, लेकिन वह बचकानी टिप्पणी कर रहे हैं। विपक्ष को मालूम है कि पीएम मोदी के रहते

वह सत्ता में वापसी नहीं कर सकते हैं, इसलिए मोदी विरोध में इतना डूब चुके हैं कि वह भारत के खिलाफ बोल रहे हैं, जबकि उन्हें भारत के साथ खड़ा रहना चाहिए। आचार्य प्रमोद ने कहा कि विपक्ष नरेंद्र मोदी का अपमान नहीं कर रहा है बल्कि वो भारत के सम्मान, शौर्य का अपमान कर रहा है। विपक्ष भारत की बेटियों के सिंदूर का अपमान कर रहा है। मल्लिकार्जुन खड़गे को राफेल पर मजाक नहीं बनाना चाहिए। राफेल हमारे गौरव का प्रतीक है। लेकिन कांग्रेस पार्टी मानसिक दिवालियापन का शिकार हो चुकी है।

उन्हें राफेल की नहीं बल्कि कांग्रेस पार्टी की चिंता करनी चाहिए जो डूब रही है। कांग्रेस के अन्य नेताओं के आरोपों पर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि कांग्रेस में कुछ राहु-केतु हैं जो कांग्रेस को बर्बाद कर रहे हैं। लेकिन इसकी चिंता मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी को नहीं है। भारत की बेटियों के सिंदूर की शक्ति क्या है, यह पाकिस्तान सहित पूरा विश्व देख रहा है।

पाकिस्तान ने नापाक हरकत की तो मुंहतोड़ जवाब मिलेगा : भाजपा सांसद बृजलाल

हमने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की है और यहां हमें जो मुख्य बात कहनी है, वह यह है कि हमें आतंकवाद से लड़ना है।

एजेंसी

कुआलालंपुर। इंडोनेशिया की सफल यात्रा के बाद जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में एक सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल मलेशिया के कुआलालंपुर पहुंच चुका है। इस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य भाजपा सांसद बृजलाल ने कहा कि पाकिस्तान ने नापाक हरकत की तो उसे मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा। ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। रविवार को समाचार एजेंसी से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि हमने प्रवासी भारतीयों से मुलाकात की है और यहां हमें जो मुख्य बात कहनी है, वह यह है कि हमें

आतंकवाद से लड़ना है। जब तक आतंकवाद है, कोई भी देश विकास नहीं कर सकता। विकास बहुत जरूरी है इसके लिए शांति जरूरी है। भारत में शांति है और विकास हो रहा है। 2014 में 11वीं अर्थव्यवस्था थे, आज हम चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था हैं। पीएम मोदी का संकल्प 2047 तक विकसित भारत का है। हम युद्ध नहीं चाहते हैं हम शांति चाहते हैं। पाकिस्तान दोबारा नापाक हरकत करेगा तो जवाब मिलेगा क्योंकि, ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। हमने पाकिस्तान और पीओके में 9 आतंकी ठिकानों और 11 एयरबेस को तबाह किया। मलेशिया में भारतीय समुदाय की एक सदस्य सीमा गुप्ता ने कहा कि यह एक बड़ी उपलब्धि है। ऐसा होना जरूरी था। लोगों को सबक सिखाया जाना चाहिए और यह दिखाया जाना चाहिए कि हम भी मायने रखते हैं। उन्होंने कहा कि मलेशिया में रहकर हमें भारतीय होने पर गर्व महसूस होता है। भारत तेजी से विकास कर रहा है और भारत ने दिखाया है कि हमें आंख दिखाने वाले लोगों को छोड़ा नहीं जाएगा। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के मलेशिया पहुंचने पर मलेशिया स्थित भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर कहा, 'सांसद संजय कुमार झा के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल कुआलालंपुर पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल मलेशियाई मंत्रियों, संसद सदस्यों, थिंक टैंक, शिक्षाविदों, मीडिया और भारतीय समुदाय के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेगा और सभी रूपों और अभिव्यक्तियों में आतंकवाद से लड़ने के लिए भारत की राष्ट्रीय सहमति और सामूहिक संकल्प को व्यक्त करेगा।

मेरठ में भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 2.7 रही तीव्रता

एजेंसी

मेरठ। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय समयानुसार भूकंप सुबह 8 बजकर 44 मिनट पर आया और इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.7 मापी गई है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मेरठ जिले के आसपास के क्षेत्र में रहा है। भूकंप का केंद्र 28.87 उत्तरी अक्षांश और 77.96 पूर्वी देशांतर पर था, जिसकी गहराई 5 किलोमीटर थी। हालांकि, भूकंप की तीव्रता हल्की होने के बावजूद लोगों ने इसे महसूस किया। भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं आई है। बता दें कि 28 मई को मणिपुर में भी भूकंप के दो झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 2.5 और 5.2 मापी गई थी। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, 28 मई 2025 को तड़के 1¬54 बजे (भारतीय समयानुसार) मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में 5.2 तीव्रता का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र 24.46 उत्तरी अक्षांश और 93.70 पूर्वी देशांतर पर था, जिसकी गहराई 40 किलोमीटर थी। इसके थोड़ी देर बाद ही दूसरी बार मणिपुर में भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार, तड़के 2:26 बजे (भारतीय समयानुसार) मणिपुर के नोनी जिले में 2.5 तीव्रता का एक हल्का भूकंप आया। इस भूकंप का केंद्र नोनी जिले में 24.53 उत्तरी अक्षांश और 93.50 पूर्वी देशांतर पर था, जिसकी गहराई 25 किलोमीटर थी। हालांकि, इस भूकंप के कारण जानमाल के नुकसान की कोई खबर दर्ज नहीं की गई, लेकिन लगातार दो बार भूकंप आने से मणिपुर में लोग दहशत में आ गए थे।

उत्तर प्रदेश में सही से नहीं चल रहा कानून का राज : मायावती

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती ने रविवार को यूपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून का राज सही से नहीं चल रहा है। बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'देश के विभिन्न राज्यों में से खासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व होने से जातिवादी एवं सांप्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय-अत्याचार तथा लोगों को उजाड़ने आदि की कार्रवाइयों से यह साबित है कि यहां कानून का राज सही से नहीं चल रहा है।उन्होंने एक अन्य पोस्ट के जरिए यूपी पुलिस के नए डीजीपी के सामने आने वाली कई चुनौतियों को गिनाया। उन्होंने कहा, ÷ऐसे माहौल में यूपी पुलिस के नए प्रमुख के सामने राज्य में अपराध नियंत्रण व कानून का राज स्थापित करके सर्वसमाज के लोगों को उचित राहत पहुंचाने की बड़ी चुनौती है। राज्य सरकार व सत्ताधारी दल के लोगों को भी यूपी में कानून का राज स्थापित करने में हर प्रकार का सहयोग व सक्रियता जरूरी है। मायावती ने आगे कहा, वैसे भी भारत के बहुआयामी विकास व यहां की विशाल आबादी की समग्र उन्नति में यूपी को देश की प्रगति की रीढ़ होना चाहिए, लेकिन इसके ग्रोथ इंजन बनकर उभरने के बजाय ज्यादातर अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की बदहाली को लेकर निगेटिव चर्चाओं में रहना क्या यह जन व देशहित में उचित है? इससे पहले, मायावती ने मदरसों के खिलाफ योगी सरकार के एक्शन को लेकर निशाना साधा था।

आआपा का 'महिला समृद्धि योजना' को लेकर दिल्ली सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आआपा) के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने 'महिला समृद्धि योजना' को लेकर के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के खिलाफ जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं को 2500 रुपये देने का वादा पूरा नहीं किया। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे आआपा के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया। उल्लेखनीय है कि दिल्ली में भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आज एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसी दौरान आआपा के नेताओं ने स्टेडियम के बाहर प्रदर्शन किया। आआपा के कार्यकर्ताओं ने दिल्ली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा ने चुनाव प्रचार के दौरान वादा किया था कि सरकार बनते ही दिल्ली की महिलाओं के खाते में 2500 रुपये देंगी। सरकार अपने वादे को पूरा करने में नाकामयाब हो गई है। दिल्ली सरकार ने जनता को धोखा दिया है। आआपा का कहना है कि दिल्ली की जनता सरकार से सवाल कर रही है कि अपने वादों को सरकार कब पूरा करेगी?

बच्ची के साथ लापता महिला को पुलिस ने खोजा

नई दिल्ली। उत्तर पश्चिम जिले के मुखर्जी नगर इलाके में साढ़े पांच माह की बच्ची के साथ गायब हुई एक महिला को दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने ढूंढ निकाला है। महिला ने बताया कि उसका पति उसके साथ बदसलूकी करता था। इससे हताश होकर उसने 20 दिसंबर, 2024 को अपना घर छोड़ दिया था। काफी प्रयासों के बाद भी स्थानीय पुलिस उसका पता नहीं लगा पाई। दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उसकी बरामदगी पर 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया। स्थानीय पुलिस के अलावा क्राइम ब्रांच भी उसकी तलाश में जुटी। टेक्निकल सर्विलांस की मदद से महिला और उसकी तीन साल की बच्ची को नोएडा सेक्टर-75 से सकुशल बरामद कर लिया गया है। महिला पति से अलग होकर यहां छिपकर रह रही थी।

आईपी विश्वविद्यालय ने दाखिला परामर्श सत्र का किया आयोजन

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (आईपी) ने द्वारका कैंपस में दाखिला संबंधी समाधान के लिए परामर्श सत्र कार्यक्रम का आयोजन किया। इस सत्र के प्रस्तावना संबोधन में विश्वविद्यालय के उप कुलसचिव डॉ. विजय कुमार ने दाखिले के लिए होने वाले ऑनलाइन एवं ऑफलाइन काउंसलिंग के विभिन्न चरणों के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने यह भी बताया कि काउंसलिंग के दौरान किन-किन बातों का ध्यान रखना है ताकि रैंक या क्वालीफाइंग एग्जाम के मेरिट के अनुसार पसंद का इंस्टीट्यूट मिले। विश्वविद्यालय के सहायक कुलसचिव अजय अरोड़ा ने बताया कि आईपीयू ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों माध्यमों से दाखिला लेता है। उन्होंने विश्वविद्यालय में पिछले साल से शुरू सिंगल गर्ल चाइल्ड कोटा और स्पोर्ट्स कोटा के बारे में भी जानकारी दी। विश्वविद्यालय के छात्र कल्याण निदेशालय के सह-निदेशक डॉ. गौरव तेहलान ने इस अवसर पर मेधावी एवं निर्धन छात्रों के लिए चलाई जा रही वित्तीय सहायता योजनाओं पर विस्तार से बताया। इसके तहत उन्होंने दिल्ली सरकार की मेरिट-कम-मीन छात्रवृत्ति एवं यूनिवर्सिटी की ईडब्ल्यूएस स्किम के बारे में जानकारी दी। विश्वविद्यालय के निदेशक प्रो. उदयन घोष के इस अवसर पर बताया कि ढेर सारे प्रोग्राम में विश्वविद्यालय अपनी प्रवेश परीक्षाओं के आधार पर दाखिला देती है। कई प्रोग्राम में दाखिले नेशनल लेवल टेस्ट्स और क्वालीफाइंग एग्जाम के मेरिट पर दिए जाते हैं। घोष ने बताया कि समस्त प्रोग्राम में दाखिले ऑनलाइन या ऑफलाइन काउंसलिंग के जरिए होते हैं। कई प्रोग्राम में दाखिले के लिए काउंसलिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। शेष प्रोग्राम के लिए भी काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू होने वाली है।

आईपीपीबी का फर्जी असिस्टेंट मैनेजर बनकर की ठगी, आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली। पश्चिम जिले की साइबर थाना पुलिस ने शातिर साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए जामताड़ा (झारखंड) से एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। आरोपित ने खुद को इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) का असिस्टेंट मैनेजर बताकर पीड़ित को झांसे में लिया और मोबाइल पर स्क्रीन शेयर करवाकर 15 लाख की ठगी की। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि 17 अप्रैल 2025 को साइबर थाना पश्चिम दिल्ली में दो अलग-अलग शिकायतें दर्ज करवाई गईं। शिकायतकर्ताओं ने बताया कि उन्हें एक व्यक्ति ने आईपीपीबी बैंक का अधिकारी बनकर कॉल किया और कहा कि वह उनके दो बैंक खातों को लिंक करने में मदद करेगा। व्हाट्सऐप कॉल के दौरान आरोपित ने पीड़ितों को स्क्रीन शेयरिंग के लिए कहा और फिर उन्हें एक एपीके फ़ाइल भेजी। जैसे ही पीड़ितों ने वह ऐप इंस्टॉल किया, आरोपित ने उनके मोबाइल को रिमोट एक्सेस कर लिया और धीरे-धीरे 15 लाख उनके खातों से निकाल लिए। मामले को गंभीरता से लेते हुए इंस्पेक्टर विकास कुमार की देखरेख में पुलिस टीम को तकनीकी विश्लेषण, मोबाइल नंबर और आईपी एड्रेस की जांच के बाद आरोपित की लोकेशन झारखंड के जामताड़ा में मिली। इसके बाद पुलिस टीम ने छापेमारी कर आरोपित सनाउल मियां को गिरफ्तार किया।

सिटी फॉरेस्ट बनेगा दिल्ली एनसीआर का बेस्ट पर्यटन स्थल

एजेंसी

गाजियाबाद। यदि सब कुछ ठीक-ठाक रहा तो आने वाले समय में जिले का सिटी फॉरेस्ट दिल्ली एनसीआर के बेस्ट पर्यटन स्थलों में से एक होगा। जिसमें पर्यटकों के लिए जीप लाइनिंग, ट्रैकिंग ट्रेल्स, बोटिंग, डेकोरेटिव लाइटिंग सहित विभिन्न हाई-एंड सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इसके लिए जीडीए ने पूरी कार्य योजना बनाई है। इस कार्य योजना का प्रस्तुतीकरण मंडल आयुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद के समक्ष किया गया। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण सभागार में मेरठ मंडल आयुक्त एवं गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष हृषिकेश भास्कर यशोद की अध्यक्षता में सिटी फोरेस्ट पार्क के पुनर्विकास को लेकर एक बैठक हुई। इस बैठक में प्राधिकरण की परामर्शदाता संस्था अर्नेस्ट एंड यंग ने कार्य योजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण दिया। जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स ने बताया कि वर्ष 2023 में आई भीषण बाढ़ के चलते सिटी फॉरेस्ट में

पूर्व में कराए गए विकास एवं अनुरक्षण कार्य प्रभावित हुए थे, जिससे पार्क की सौंदर्य व्यवस्था एवं संरचना को भारी क्षति पहुंची थी। इसी के मद्देनजर सिटी फोरेस्ट के समग्र पुनर्विकास की योजना तैयार की गई है। प्रस्तुतिकरण में प्रस्तावित किया गया कि पार्क को न केवल पूर्व की तुलना में अधिक आकर्षक और पर्यावरण अनुकूल रूप में विकसित किया जाएगा, बल्कि इसे एक अत्याधुनिक और जन-सामान्य के लिए उपयोगी पर्यटन स्थल के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यहां प्रस्तावित सुविधाओं में जीप लाइनिंग, ट्रैकिंग ट्रेल्स, बोटिंग, डेकोरेटिव लाइटिंग सहित विभिन्न हाई-एंड सुविधाएं शामिल होंगी, जिससे यह पार्क एक मॉडल अर्बन फॉरेस्ट के रूप में स्थापित किया जा सकेगा। गाजियाबाद विकास प्राधिकरण नागरिकों के लिए एक स्वच्छ, सुरक्षित एवं आधुनिक हरित पर्यावरण उपलब्ध कराने के प्रयास कर रहा है जिससे ना केवल शहर को सुंदर बनाया जायेगा, बल्कि दिल्ली एनसीआर में एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित होगा, जहाँ बच्चो को घूमने फिरने के साथ पर्यावरण से जुड़ाव होगा। इस बैठक में नगर निगम के आयुक्त विक्रमादित्य मलिक भी उपस्थित रहे।

मान सरकार की 'युद्ध नशेयां विरुद्ध' मुहिम पूरी तरह विफलः चुघ

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ ने आम आदमी पार्टी की सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल की पीआर राजनीति ने पंजाब की 'युद्ध नशेयाँ विरुद्ध' मुहिम को भी दिखावटी तमाशा बना दिया। चुघ ने जारी बयान में आरोप लगाया कि इसी अभियान के दौरान पंजाब के इतिहास की सबसे भयावह जहरीली शराब त्रासदी घटी, जिसने साफ तौर पर उजागर कर दिया कि भगवंत मान की सरकार शराब माफियाओं के साथ गठजोड़ में है।चुघ ने कहा, 'आज 31 मई, 2025 है- वही तारीख जिसे आप सरकार ने पंजाब को नशा-मुक्त बनाने की अंतिम समयसीमा घोषित की थी। क्या सच में 'नशे के खिलाफ युद्ध' जीत लिया गया या यह भी उनके बाकी ड्रामों की तरह चुपचाप खत्म हो गया? अरविंद केजरीवाल को 'ब्रांडेड ज़मानती नेता' करार देते हुए चुघ ने कहा कि यह पूरा अभियान सिर्फ एक

राजनीतिक मार्केटिंग स्टंट था, जिसका मकसद सिर्फ दिखावा था, न कि परिणाम। हेल्पलाइन नंबर लॉन्च हुए, यात्राएं निकाली गईं, प्रेस कॉन्फ्रेंसें हुईं – लेकिन असली सवाल जस का तस है कि क्या पंजाब से नशा तस्करी खत्म हुई या फिर सिर्फ मीडिया की सुर्खियों के लिए इसे छिपा दिया गया?

आत्मबोध के बिना आत्मनिर्भरता संभव नहीं,एकात्म दर्शन बनेगा प्रकाश स्तंभ : अरुण कुमार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने कहा कि आज जब वैश्विक प्रभाव बढ़ रहे हैं, आत्मबोध के बिना आत्मनिर्भरता संभव नहीं है। पंडित दीनदयाल का दर्शन इस दिशा में प्रकाश स्तंभ बन सकता है। एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन के आधार पर राष्ट्र निर्माण के लिए महत्वपूर्ण विचारधारा है। सह सरकार्यवाह अरुण कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय एकात्म मानव दर्शन व्याख्यानों की 60वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली के एनडीएमसी कन्वेंशन सेंटर में आयोजित राष्ट्रीय स्मृति सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को बतौर मुख्य वक्ता संबोधित किया। अरुण कुमार ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के एकात्म मानव दर्शन पर चर्चा करते हुए कहा कि एकात्म मानव दर्शन भारतीय चिंतन के आधार पर राजनीतिक क्षेत्र में कार्य करने के लिए एक महत्वपूर्ण विचारधारा है। यह व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की ओर ले जाती है और समाज में परिवर्तन लाने के लिए आवश्यक है। पंडित दीनदयाल ने

भारतीय चिंतन के आलोक में 'एकात्म मानवदर्शन' की कल्पना की। यह दर्शन व्यक्ति, समाज और राष्ट्र को एक इकाई मानता है। उनका मानना था कि आत्मबोध ही राष्ट्रबोध की पहली सीढ़ी है। अब समय आ गया है जब इस विचार को समाज के हर क्षेत्र में उतारना होगा। कुमार ने आत्मविस्मृति को आज़ादी के बाद की सबसे बड़ी समस्या बताया। उन्होंने कहा कि जब कोई समाज अपनी पहचान और जड़ों को भूल जाता है, तो आत्मग्लानि और आत्महीनता घर कर लेती है। इसी आत्मविस्मृति से उबरने के लिए पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने 'एकात्म मानवदर्शन' का विचार दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई नया विचार नहीं था, बल्कि भारतीय परंपरा की पुरानी नींव पर नया निर्माण करने की दिशा में एक प्रयास था।

पीएम मोदी समेत नेताओं ने दी केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को जन्मदिन की शुभकामनाएं

एजेंसी

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत कई नेताओं ने रविवार को केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'मनसुख मांडविया भारत को खेल जगत में महाशक्ति बनाने और हमारे युवाओं को सशक्त बनाने की दिशा में पूरी ऊर्जा से काम कर रहे हैं। हमारे श्रमिकों के कल्याण के लिए उनके प्रयास भी उतने ही सराहनीय हैं, जो आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अहम भूमिका निभाते हैं। ईश्वर करे कि वे दीर्घायु और स्वस्थ जीवन जिएं।' पीएम मोदी से मिली शुभकामनाओं पर केंद्रीय मंत्री मांडविया ने कहा, 'पीएम मोदी आपकी हार्दिक शुभकामनाओं और आशीर्वाद के लिए धन्यवाद। मैं आपके निरंतर मार्गदर्शन के लिए आभारी हूं। आप हमारे लिए हर दिन कड़ी मेहनत करने और देश के विकास और कल्याण में योगदान

देने के लिए प्रेरणा स्रोत रहे हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया को जन्मदिन की हार्दिक बधाई। भगवान सोमनाथ से प्रार्थना है कि आपको स्वस्थ, सुदीर्घ एवं सुयश पूर्ण जीवन की प्राप्ति हो। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, 'केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। प्रभु श्रीराम की कृपा आप पर सदैव बनी रहे, आप स्वस्थ रहें, दीर्घायु हों, आपके सुखद एवं मंगलमय जीवन की कामना करता हूं। दूसरी ओर रविवार को केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने 'फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत ने दुशांबे में हिमनद संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय विदेश तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने 29 से 31 मई 2025 तक ताजिकिस्तान के दुशांबे में आयोजित हिमनद संरक्षण पर उच्च स्तरीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के समापन सत्र को संबोधित किया। इस सम्मेलन में विश्वभर से विशेषज्ञों, नीति-निर्माताओं और मंत्रियों ने भाग लिया और ताजे जल के स्रोत एवं जलवायु परिवर्तन के संकेतक माने जाने वाले हिमनदों की रक्षा के लिए आवश्यक तात्कालिक कदमों पर चर्चा की। केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्ति सिंह ने कहा कि हिमनदों का पिघलना केवल एक चेतावनी नहीं, बल्कि एक तत्काल वास्तविकता है, जिसके दूरगामी प्रभाव जल सुरक्षा, जैव विविधता और अरबों लोगों की आजीविका पर पड़ते हैं। उन्होंने विशेष रूप से पर्वतीय क्षेत्रों, जैसे कि हिमालय पर इसके असमान रूप से गंभीर प्रभावों को रेखांकित किया। केंद्रीय राज्यमंत्री ने भारत

की गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र से गहराई से जुड़ा हुआ है और इस दिशा में कई महत्वपूर्ण पहलें कर रहा है। इनमें राष्ट्रीय कार्य योजना जलवायु परिवर्तन के अंतर्गत हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के सतत विकास हेतु राष्ट्रीय मिशन शामिल है। इसके साथ ही, भारत ने क्रायोस्फीयर एवं जलवायु परिवर्तन अध्ययन केंद्र की स्थापना की है, जो भारतीय हिमालयी क्षेत्र में हिमनदों एवं हिमनदीय झीलों की निगरानी और अनुसंधान को आगे बढ़ा रहा है।केंद्रीय राज्यमंत्री सिंह ने बताया कि भारत भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन द्वारा संचालित रिमोट सेंसिंग और भौगोलिक सूचना प्रणाली जैसी उन्नत तकनीकों का उपयोग कर हिमनदों के आकार, द्रव्यमान और गतिशीलता में हो रहे परिवर्तनों की नियमित निगरानी कर रहा है। इन प्रयासों को राष्ट्रीय ध्रुवीय और समुद्री अनुसंधान केंद्र, राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान , वाडिया हिमालय भूविज्ञान संस्थान, और गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान जैसे प्रमुख राष्ट्रीय संस्थानों द्वारा किए जा रहे समन्वित अनुसंधान से और अधिक बल मिल रहा है। हिमालयी क्षेत्र में आपदा प्रबंधन को सशक्त बनाने हेतु राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के नेतृत्व में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड जोखिम मानचित्रण एवं पूर्व चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाया गया है।केंद्रीय राज्यमंत्री ने इस बात पर ज़ोर दिया कि पर्वतीय पारिस्थितिकी तंत्र की चुनौतियों से निपटने के लिए क्षेत्रीय सहयोग, डेटा-साझाकरण ढांचे में सुधार और समन्वित प्रतिक्रिया तंत्र अत्यंत आवश्यक हैं। वैश्विक संदर्भ में बोलते हुए राज्यमंत्री ने समान लेकिन विभेदित उत्तरदायित्व और संबंधित क्षमताएं के सिद्धांत पर भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।

पाक जासूसी रैकेटः एनआईए की 8 राज्यों में बड़ी कार्रवाई, 15 ठिकानों पर छापेमार

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी मामले में देश भर में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। इस दौरान देश के आठ राज्यों में 15 स्थानों पर बड़े पैमाने पर तलाशी ली गई। दिल्ली, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, असम और पश्चिम बंगाल राज्यों में पाकिस्तान खुफिया संचालकों (पीआईओ) से जुड़े संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली गई। एनआईए की टीमों ने तलाशी के दौरान कई इलेक्ट्रॉनिक गैजेट और संवेदनशील वित्तीय दस्तावेज, अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की है। भारत विरोधी आतंकी साजिश के तहत पाकिस्तान स्थित गुर्गों द्वारा चलाए जा रहे जासूसी रैकेट के सुराग के लिए उनकी गहन जांच की जा रही है। एनआईए की जांच के अनुसार, तलाशी में जिन संदिग्धों को निशाना बनाया गया, उनके पाकिस्तानी गुर्गों से संबंध थे और वे भारत में जासूसी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए वित्तीय माध्यम के रूप में काम करते थे। एनआईए ने 20 मई को एक आरोपी व्यक्ति की गिरफ्तारी के बाद आरसी-12/2025/एनआईए/डीएलआई मामला दर्ज किया था, जो 2023 से पीआईओ के साथ संवेदनशील जानकारी साझा कर रहा था। आरोपी राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित वर्गीकृत जानकारी लीक करने के बदले भारत में विभिन्न माध्यमों से धन प्राप्त कर रहा था। आरोपी का नाम मोतीराम जाट है, जो सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) के एएसआई पद पर कार्यरत था। एनआईए की टीम ने जासूसी मामले में मुकदमा उसी केस में दर्ज किया था। मोतीराम जाट पहलगाम हमले से पहले वहीं पोस्टेड था।

विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर भ्रामक विपणन रणनीतियों को समझने की आवश्यकताः जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने युवाओं में तंबाकू के खतरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर एक्स पर अपने संदेश में नड्डा ने कहा कि युवाओं में तंबाकू की लत लगने से पहले ही उसे रोकने के लिए समाज को एक साथ आना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम, तंबाकू के विज्ञापन का पर्दाफाश करनाः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की चालों को उजागर करना, भ्रामक विपणन रणनीतियों को समझने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालती है जो हमारे युवाओं को जोखिम में डालती हैं। नड्डा ने सभी को तंबाकू निषेध में एकजुट होकर स्वस्थ, तंबाकू मुक्त भविष्य के लिए आगे आने का आह्वान किया। उल्लेखनीय है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 1987 में तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों और मौतों पर लगाम लगाने के लिए इस दिन की शुरुआत की थी। पहली बार 31 मई 1988 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। इसके बाद से हर साल यह दिन वैश्विक स्तर पर मनाया जाने लगा। विश्व तंबाकू निषेध दिवस का उद्देश्य केवल जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि नीति-निर्माण को मजबूत करना,

जनसहभागिता को बढ़ाना और युवाओं को इन उत्पादों से बचाने के लिए सामूहिक प्रयास करना है। स्वास्थ्यकर्मियों, नीति-निर्माताओं, शिक्षकों और समुदायों के बीच सहयोग ही हमें एक तंबाकू-मुक्त भविष्य की ओर ले जा सकता है। हर साल तंबाकू से लगभग 80 लाख लोग मरते हैं। भारत में ग्लोबल एडल्ट टोबैको सर्वेक्षण के अनुसार, 28.6 प्रतिशत वयस्क (लगभग 26.68 करोड़) तंबाकू का किसी न किसी रूप में उपयोग करते हैं- चाहे वह धूम्रपान हो, चबाना हो, दांतों या मसूड़ों पर लगाना हो या सूंघना हो। लगभग 87 प्रतिशत रोज़ाना तंबाकू का सेवन करते हैं, जबकि 13 प्रतिशत कभी-कभार करते हैं। 21.4 प्रतिशत वयस्कों द्वारा प्रयुक्त तंबाकू स्मोकलेस (बिना धुएं वाला) होता है, जो धूम्रपान (10.7 प्रतिशत) की तुलना में दो गुना से अधिक है- यह इस बात का संकेत है।

देश सबसे पहले, दिल्ली हाई कोर्ट ने ईसाई सैन्य अधिकारी की बर्खास्तगी को सही ठहराया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली हाई कोर्ट ने भारतीय सेना के तीन कैवेलरी रेजीमेंट के एक कमांडिंग ऑफिसर की बर्खास्तगी को बरकरार रखा है। अधिकारी ने खुद के ईसाई धर्म से होने का हवाला देते हुए रेजीमेंट के मंदिर और गुरुद्वारे में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने से इनकार कर दिया था। सैमुअल कमलेसन नाम के अधिकारी ने पेंशन और ग्रेच्युटी के बिना सेना से बर्खास्तगी के आदेश को चुनौती देते हुए अपनी सेवा फिर से बहाल करने की मांग की थी। हाई कोर्ट ने उनकी अर्जी को खारिज कर दिया। दिल्ली हाई कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, लेफ्टिनेंट को सीनियर अधिकारियों ने कई बार समझाया, पर वह अपनी धार्मिक मान्यताओं के चलते धार्मिक परेड में शामिल न होने के फैसले को लेकर अडिग थे। हाई कोर्ट ने कहा, हमारे सैन्य बलों का एक ही चरित्र है, वे देश को सबसे ऊपर रखते हैं। देश उनसे और उनके धर्म से बढ़कर होता है। हमारी सेना में हर धर्म, जाति, क्षेत्र, आस्था को मानने वाले लोग हैं। लेकिन, सेना की वर्दी उन्हें जोड़ती है। वे अपने धर्म, जाति या इलाके के हिसाब से बंटे हुए नहीं हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि सामान्य नागरिक के लिए यह आदेश सख्त लग सकता है, पर सेना में अनुशासन के जो मानक हैं, वे देश के आम नागरिकों से बहुत अलग हैं। कोर्ट आर्मी की इस दलील से सहमत है कि धार्मिक स्थल में प्रवेश करने से इनकार करना सैन्य मूल्यों को कमजोर करेगा। सेना ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए कहा, जरूरी रेजिमेंटल परेड के दौरान धार्मिक स्थलों के अंदर एंट्री से अधिकारी का इनकार करना, यूनिट की एकजुटता और सैन्य बलों को कमजोर करता है। उन्हें ऐसा न करने के लिए कई बार समझाया गया, लेकिन वह नहीं माने। सैमुअल कमलेसन को मार्च 2017 में सेना में लेफ्टिनेंट के पद पर 3 कैवेलरी रेजीमेंट में कमीशन दिया गया था। इसमें सिख, जाट और राजपूत सैन्य कर्मियों के तीन स्क्वाड्रन शामिल थे।

निवासियों के विरोध के बीच दिल्ली के मद्रासी कैंप में चलाया गया तोड़फोड़ अभियान

एजेंसी

नई दिल्ली । दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के जंगपुरा में बारापुला नाले के किनारे स्थित झुग्गी बस्ती मद्रासी कैंप में बड़े पैमाने पर तोड़फोड़ अभियान चलाया गया है। यह कार्रवाई नाले की सफाई और जीर्णोद्धार के लिए क्षेत्र को खाली करने के दिल्ली उच्च न्यायालय के निर्देश के बाद की जा रही है। अर्धसैनिक बलों और दिल्ली पुलिस की भारी तैनाती के बीच शुरू हुए इस अभियान का लक्ष्य 300 से अधिक झुग्गियों को हटाना है। इलाके के निवासियों ने अपर्याप्त पुनर्वास के बारे में चिंता जताते हुए विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया है, जबकि कुछ परिवारों को नरेला में वैकल्पिक आवास की पेशकश की गई है। साइट पर स्थित 370 झुग्गियों में से, 215 परिवारों को प्रधानमंत्री की जहां झुग्गी वहां मकान पुनर्वास योजना के तहत पुनर्वास के लिए पात्र के रूप में पहचाना गया है और उन्हें नरेला में फ्लैट की पेशकश की गई है। शुरुआत में, पुनर्वास योजना में केवल 189 परिवारों को शामिल किया गया था। हालांकि, एक संशोधित सूची में 26 और परिवारों को जोड़ा गया। अपना घर टूटता देख एक निवासी ने से कहा, 'अब हमारे पास कुछ भी नहीं बचा है। 'जहां झुग्गी वहां मकान' एक झूठ है। वे घर

आवंटित करने के बारे में झूठ बोलते हैं। वे जो कुछ भी कहते हैं, वह सब झूठ है। अभी तो मुझमें इस बारे में बोलने की हिम्मत भी नहीं है। मद्रासी कैंप, जिसे 1968 और 1970 के बीच स्थापित किया गया था। इसे 16 किलोमीटर लंबे बारापुला नाले से जुड़ी एक जीर्णोद्धार परियोजना के लिए साफ किया जा रहा है। यह एक मुगलकालीन संरचना है जिसके लगभग 400 साल पुराने होने का अनुमान है। तोड़फोड़ अभियान दिल्ली उच्च न्यायालय के 9 मई के आदेश का परिणाम है, जिसमें अधिकारियों को नाले की सफाई और जीर्णोद्धार की सुविधा के लिए अतिक्रमण हटाने का निर्देश दिया गया था। न्यायालय का यह आदेश 2024 के मानसून के दौरान दायर एक जनहित याचिका के बाद आया है। न्यायालय ने दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए), भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई), दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) सहित कई नागरिक एजेंसियों को भविष्य में बाढ़ को रोकने के लिए कार्रवाई करने और नाले को बहाल करने का निर्देश दिया था।

दिल्ली के महापौर ने रेखा गुप्ता सरकार के 100 दिन पूरे होने पर दी बधाई

एजेंसी

नई दिल्ली । दिल्ली सरकार के 100 दिन पूरे होने पर भाजपा ने जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में एक कार्यकम का आयोजन किया। इस दौरान फिल्म अभिनेता अनुपम खेर ने रेखा गुप्ता से बात की। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह भी जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए। साथ ही दिल्ली सरकार के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर सरकार को बधाई दी। इस दौरान उन्होंने पिछली सरकारों की आलोचना भी की। भाजपा के नेतृत्व वाली दिल्ली सरकार के कार्यकाल के 100 दिन पूरे होने पर महापौर राजा इकबाल सिंह ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने अपनी 100 दिन की रिपोर्ट पेश कर दी है। जिससे दिल्ली की जनता बेहद खुश है। महापौर ने कहा कि दिल्ली में ट्रीपल इंजन की सरकार कार्य कर रही है। आने वाले समय में दिल्ली में विकास के सभी कार्य किए जाएंगे ताकि दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित राजधानी बनाया जा सके। सिंह ने कहा कि भाजपा की दिल्ली सरकार लगातार काम कर रही है। दिल्ली की सड़को को ठीक करने से लेकर के कूड़े के पहाड़ तक हटाने का काम किया जा रहा है। ताकि दिल्ली की जनता को स्वच्छ और सुंदर वातावरण दिया जा सके। इस दौरान सिंह ने आआपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि शिक्षा, स्वास्थ और सफाई के क्षेत्र में जो काम दस साल में केजरीवाल की पार्टी नही कर पाई। वह काम रेखा गुप्ता की सरकार ने 100 दिन के अंदर कर दिया। उन्होंने आआपा के कार्यो की आलोचना करते हुए कहा कि पिछले दस साल में केजरीवाल की सरकार अस्पतालों में प्रति हजार मरीजों के लिए एक बिस्तर उपलब्ध कराने में भी विफल रही थी। आआपा के लोग स्वास्थ्य और शिक्षा सुविधाओं में सुधार के बारे में बात करते थे लेकिन काम एक भी नही किया। इकबाल सिंह ने कहा कि पिछले 27 सालों से दिल्ली में भ्रष्टाचार की राजनीति हो रही है। कांग्रेस और आआपा ने दिल्ली की जनता को ठगने के अलावा कोई काम नही किया। लेकिन अब भाजपा की सरकार बनने के बाद दिल्ली विकास की ओर आगे बढ़ रही है।

संपादक की कलम से

कोरोना ने दिखाए फिर पुराने तेवर

कोरोना की रफ्तार फिर गति पकड़ रही है। देश-दुनिया में चिंता है। भारत में हर दिन नई-नई आती सूचनाएं डरा रही हैं। उंगलियों पर गिने जाने वाले आंकड़े हफ्ते भर में ही हजारों में पहुंच गए। मरने वालों की संख्या में हो रही वृद्धि भी अलग डराती है। कहां 19 मई तक आधिकारिक तौर पर 257 मामले थे। इस रविवार सुबह तक यह आंकड़े 3395 पार गए हैं। मरने वालों की संख्या भी हर रोज बढ़ रही है। सबसे ज्यादा केरल में 1336 सक्रिय मामले हैं। वहीं, इससे होने वाली मौतों की शुरूआत भी हो चुकी है जो अभी बहुत ही कम है लेकिन एक दिन में 685 मामले दर्ज होना, बड़ा इशारा है। महाराष्ट्र में 467, दिल्ली में 375, गुजरात में 265, कर्नाटक में 234, पश्चिम बंगाल में 205, तमिलनाडु में 185 मामले आए हैं।

हांगकांग और सिंगापुर में बहुत तेजी से फैलते कोरोना ने भारत में जिस तरह पैर पसारे, वो चिंतनीय है। इसके नए वैरिएंट जेएन-1 का प्रकोप जारी है जो पहली बार अगस्त 2023 में मिला था। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसे दिसंबर 2023 में ही ह्यवैरिएंट ऑफ इंटरेस्टह्ण घोषित कर साफ किया था कि यह ओमीक्रॉन बी.ए.2.86 का वंशज है। इसमें 30 के लगभग म्यूटेशन पाए गए जिनमें एल.एफ.7 और एन.बी.1.8 की संख्या ज्यादा थी। कोरोना की यह नई लहर साउथ-ईस्ट एशिया में कुछ ज्यादा ही असर दिखा रही है। सिंगापुर, हांगकांग और थाईलैंड जैसे देशों में कोविड के मामले बहुत ही तेजी से बढ़ने के बाद अब भारत में रफ्तार पकड़ रहे हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि इसका कारण लोगों के शरीर में एंटीबॉडी का कम हो जाना भी है। भारत में भी ऐसी आशंकाओं से इनकार नहीं है।

इतना तो लगने लगा है कि सप्ताह भर में ही बढ़े संक्रमण के मामलों में जो उछाल आया है वो चिंताजनक है। चीन से भी छन-छन कर जो निकल रहा है उससे पता चल गया कि वहां भी बीते एक महीने में कोरोना के मामलों में काफी तेजी आई है। लेकिन दुनिया को कोरोना देकर भी छुपाने और तबाही की कगार पर पहुंचाने के बाद चीन से जितने सच सामने आए, उसने दुनिया में कैसा विनाश मचाया था, सबने देखा।

इस बार संक्रमित होने वाले अधिकतर लोग वो ज्यादा हैं जो या तो कोमर्बिडिटी यानी सह-रुग्णता वाली स्थिति में हैं। इसमें प्रभावितों को एक ही समय में एक से अधिक बीमारियां होती हैं जिसके कई कारण हो सकते हैं। कुछ सामान्य जोखिम कारक होते हैं, जबकि कुछ अन्य स्थितियों से उत्पन्न लक्षणों या उसके उपचारों के कारण होते हैं। अभी ज्यादातर लक्षण, कोमोर्बिटी या फिर 65 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों में दिख रहे हैं लेकिन प्रभावित हर आयु वर्ग के लोग हो रहे हैं। स्वास्थ्य जोखिमों को देखते हुए अधिकारियों ने डॉक्टर की सलाह पर अपडेटेड वैक्सीन लेने की सलाह दी है। उच्च जोखिम वालों बुजुर्गों, कोमोर्बिटी के शिकार को पहले से ही सालाना कोविड-19 वैक्सीन लेने की सलाह दी जाती रही है।

केरल के बाद महाराष्ट्र, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश में भी कोरोना मरीजों की संख्या बढ़ना चिंताजनक है। उधर अब हांगकांग के स्वास्थ्य अधिकारी अल्बर्ट अउ का वो बयान सामने है जिसमें उन्होंने माना कि कोरोना वायरस के मामले वहां तेजी से बढ़ रहे हैं। सांस लेने की तकलीफ वाले मरीजों के कोविड पॉजिटिव पाए जाने की संख्या अभी साल के महज पांचवें महीने में ही उच्च स्तर पर पहुंच गई थी, जबकि चीन में श्वांस संबंधी बीमारियों की जांच करवाने वाले मरीजों में कोविड वायरस पाए जाने के मामले दोगुने होना चिंताजनक है। लोगों को बूस्टर शॉट लेने की सलाह दी गई है। साथ ही चाइनीज सेंटर फॉर डिजीज एंड प्रिवेंशन के आंकड़ों के मुताबिक, कोविड की लहर जल्द ही तेज भी हो सकती है। चीन, थाईलैंड और हांगकांग में वहां की सरकारें अलर्ट पर हैं।

साउथ-ईस्ट एशिया के हालात देखते हुए भारत भी सतर्क है। स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक यानी डीजीएचएस ने राष्ट्रीय रोग नियंत्रण, आपदा प्रबंधन सेल, भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद और केंद्रीय सरकारी अस्पतालों के विशेषज्ञों के साथ बैठकें कर चुके हैं। देश की बड़ी आबादी के दृष्टिगत बढ़ती संख्या कहीं न कहीं चिंता बढ़ाने वाली है। अस्पतालों को इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारियों और श्वसन संक्रमण के गंभीर मामलों की निगरानी करने के लिए कहा गया है। हालांकि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय स्थिति पर बारीकी से निगरानी रख सतर्क और सक्रिय होकर सुनिश्चित कर रहा है कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए उचित उपाय किए जाएं।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं आयुष विभाग किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूरी तरीके से तैयार है। स्वास्थ्य मंत्रालय पूरी तरीके से सतर्कता के साथ हर परिस्थिति पर नजर रख रहा है। हां, देशभर के सभी अस्पतालों और स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की भी जिम्मेदारी है कि सतर्क रहें, सतर्क करें। ऑक्सीजन और वैक्सीन के इंतजाम पर्याप्त रखे जाएं। ईश्वर करे कि वो स्थिति न आए जिसे हमने देखा, भोगा है। लेकिन पुराने कड़वे अनुभव, काली यादें और कोरोना के कुछ साल का दौर कितना भयावह था, याद कर ही रोंगटे खड़े हो जाते हैं। याद कीजिए कैसे उंगलियों पर गिनने लायक कोरोना के मामले पहले दर्जन से सैकड़ा, फिर हजार और उसके बाद लाखों में पहुंचे।

उच्च शिक्षा के लिए विदेशी विश्वविद्यालयों की पहल

गिरीश्वर मिश्र

आकार की दृष्टि से आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी शिक्षा व्यवस्था है जिसमें लगभग 44 हजार उच्चशिक्षा के संस्थानों और देशी संस्थाओं के साथ एक विशाल व्यवस्था खड़ी हो चुकी है। इनमें 1115 विश्वविद्यालय या उसी तरह के संस्थान हैं। भारत देश की जनता की औसत आयु 29 वर्ष के करीब आंकी गई है। इस दृष्टि से यह एक युवा देश है और वह एक गुणवत्ता वाली उच्च शिक्षा का हकदार है।

उच्च शिक्षा में नामांकन बढ़ाना कई कारणों से देश की आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। तभी युवा देश होने का लाभ या डेमोग्राफि क डिवीडेंड मिल सकेगा। इस संदर्भ में यह भी गौरतलब है कि उच्च शिक्षा का भारतीय अतीत निःसंदेह रूप से अत्यंत गौरवशाली रहा है। यहां के विद्याकेंद्र शिक्षण, शोध और अध्यापन की दृष्टि से विश्वस्तरीय मानदंड वाले थे और विश्व गुरु का दर्जा कोई कपोल कल्पना नहीं थी। यहां शिक्षा में नवाचार भी होते थे। इन उत्कृष्ट संस्थानों की गुणवत्ता से आकर्षित हो कर अन्य देशों से भी विद्यार्थी आते थे। नालंदा और तक्षशिला ऐसे ही विश्वविश्रुत शिक्षाकेंद्र थे जहां अनेक विषयों की शिक्षा दी जाती थी। यह व्यवस्था निश्चित रूप से बहुशास्त्रीय और अंतर अनुशासनिक (मल्टी और इंटरडिसिप्लिनरी) शिक्षा थी जिसकी आजकल बड़ी गूंज है। कालांतर में अनेक दुष्प्रभावों के बीच यह व्यवस्था छिन्न-भिन्न हुई। उसके पुरावशेष आज भी बचे हैं और ज्ञान की थाती को संजोती-दर्शाती विभिन्न विषयों की अथाह ग्रंथ-राशि भी शेष है।

उल्लेखनीय है कि यह ज्ञान-परम्परा समग्रता पर जोर देती थी। भौतिक-सामाजिक ज्ञान के साथ ही पारमार्थिक ज्ञान यानी परा और अपरा विद्या, दोनों पर जोर देती थी। समग्र शिक्षा धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष इन चारों पुरुषार्थों के लिए तैयार करती थी। निकट अतीत में अंग्रेजों की औपनिवेशिक नीति के तहत भारतीय शिक्षा ब्रिटेन की नकल करते हुए नई चाल में ढल चली। उसने भारतीय शिक्षा का हाशियाकरण किया और शिक्षा के पैमाने बदल डाले। अपनी और दूसरों की मुक्ति और कल्याण के बदले अर्थकरी शिक्षा मुख्य हो गई। वित्त ही मुख्य होता गया और उसी के जाल में हम फँसते गए। स्थिति बिगड़ती गई। स्वतंत्र भारत में भी ढांचा वही रहा और शिक्षा को नीति में वह वरीयता न मिल सकी जिसकी उसे दरकार थी। शिक्षा के संचालन में समझौते दर समझौते होते गए और ढांचा मूलतः विदशी जिसे सार्वभौमिक करार दिया गया। ऐसे में शिक्षा की गुणवत्ता तथा अपने देश के लिए प्रासंगिकता घटती गई। आज विद्यार्थियों और अध्यापकों के आचरण को लेकर कई प्रश्न खड़े हैं। अयोग्य डिग्रीधारी या शिक्षित बेरोजगार बढ़ने लगे। शिक्षा के परिसर प्रदूषित होने लगे। आज की घोर वास्तविकता यही है कि समकालीन उच्च शिक्षा अनेक दुविधाओं और अंतर्विरोधों से ग्रस्त है। वह गुणवत्ता, समता, समावेशिकता, सांस्कृतिक दृष्टि से प्रासंगिकता और उपलब्धता की विकराल चुनौतियों से जूझ रही है। ज्ञान कहीं का हो आदरणीय है पर यदि वह हमारे अस्तित्व को खतरे में डाले तो विचार करने की जरूरत पड़ती है। अब खबर गर्म है कि विदेशी विश्वविद्यालय के उपग्रह भारत में ज्ञान का प्रकाश फैलाएंगे। वैसे आज भी भारत की उच्च शिक्षा की धुरी मूलतः अमेरिका और ब्रिटेन में ही है। ज्ञान की विषयवस्तु, परिधि, प्रकार और प्रक्रिया में वे बड़ी भूमिका निभाते आ रहे हैं पर वह बहुतों को नाकाफी लगती है। परिणाम यह होता है कि हजारों की संख्या में विद्यार्थी उच्च शिक्षा पाने के लिए अकेले अमेरिका जाते हैं। अब विदेशी विश्वविद्यालय भारत में पहुंच कर परिसर खोल रहे हैं। विगत वर्षों में अनेक विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधिमंडल भारत में आ चुके हैं और इस देश में शिक्षाकेंद्र शुरू करने में अपनी रुचि व्यक्त कर चुके हैं। अनेक भारतीय विश्वविद्यालय भी विदेशी संस्थाओं के साथ कई तरह से सम्पर्क साध रहे हैं। इसके नियमन की मुकम्मल व्यवस्था अभी ठीक से कार्यान्वित नहीं हो सकी है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग कुछ नियम बना रहा है और दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं। इसी तरह अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद भी कारवाई कर रही है। इस बीच देश में उच्च शिक्षा में साएर्वजनिक क्षेत्र की भागीदारी काम हुई है और निजी शिक्षा संस्थानों की बाढ़ सी आ गई है और सैकड़ों से ज्यादा डीम्ड विश्वविद्यालय अस्तित्व में आ चुके हैं। इनमें कुछ ऐसे भी हैं जो नवाचार, नई विधियों और नए पाठ्यकर्मों में भी रुचि ले रहे हैं। विदेशी विश्वविद्यालयों के लिए आवश्यक नियम कानून बानाने होंगे और एक पारदर्शी व्यवस्था भी लानी होगी तभी शिक्षा में उत्कृष्टता का सपना पूरा हो सकेगा।

आमतौर पर विदेश की शिक्षा देशी शिक्षा के लिए पूरक के रूप में ली जाती रही है। वैसे भी भारत में आईआईटी और आईआईएम जैसे अच्छे शिक्षा संस्थानों में सीमित अवसर होने के कारण विभिन्न पाठ्यक्रमों में प्रवेश पाने के इच्छुक अभ्यर्थियों में गलाकाट प्रतिस्पर्धा चलती है। चूंकि अवसर सीमित होते हैं। बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली विद्यार्थी भी शिक्षा का अवसर नहीं पा पाते। आज युवा वर्ग की जनसंख्या बढ़ने के साथ उच्च्व शिक्षा की संस्थाओं पर प्रवेश देने के लिए दबाव तेजी से बढ़ रहा है पर संसाधनों की कमी से प्रवेश के लिए संस्थानों में सीटें बढ़ाना मुश्किल हो रहा है। भारतीय पाठ्यक्रम अक़्सर विषयवस्तु की दृष्टि से तो समृद्ध होते हैं परंतु अनुभव की दृष्टि से सीमित होते हैं और उनके तथा उदयोग की जरूरतों के बीच बड़ी खाई बनी रहती है। इससे विद्यार्थी के लिए भविष्य के कैरियर में बाधा पड़ती है।अमेरिकी और ब्रिटेन के विश्वविद्यालयों ने भारत में परिसर खोलने में खासी रुचि दिखाई है। भारतीय छात्रों को आकर्षित करने के लिए ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और कनाडा ने भी इस दिशा में पहल की है। अनेक देशों के शैक्षिक मेले भी भारत में लग रहे हैं। अच्छे विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रामाणिक पाठ्यक्रमों का देश में उपलब्ध होना उच्च शिक्षा के क्षितिज को विस्तृत करने वाला अवसर सिद्ध हो सकता है। करियर की तैयारी और उद्योग धंधों के लिए मुफीद पाठ्यक्रम चलाने के लिए विदेशी संस्थान प्रसिद्ध हैं। शिक्षा को समकालीन आवश्यकताओं से जोड़ने की जरूरत सभी अनुभव कर रहे हैं। वैश्वीकरण से शिक्षा में विविधता आएगी। दूसरी ओर विदेश जा कर पढ़ाई करने में जो अच्छी खासी रकम खर्च होती है उसमें भी बचत होगी। पर यह तथ्य भी नकारा नहीं जा सकता कि विदेशी विश्वविद्यालयों का भारत की ओर कूच करने के अभियान के मूल में बाजार प्रेरित मांग ही मुख्य है। यह कदम उच्च शिक्षा के तेजी से हो रहे व्यापारीकरण की प्रवृति को और प्रबल करने वाला होगा।

सार्वजनिक क्षेत्र की संस्थाओं की सीमाओं के चलते निजी संस्थानों के पौ बारह हैं। वे विदेशी विश्वविद्यालयों से जुड़कर विदेशी डिग्री दिलाने में आगे हैं जिनकी बदौलत उनकी बाजार में पूछ भी होती है। इस तरह उच्च शिक्षा एक बिकाऊ माल होता जा रहा है। आज प्रचलित विदेशी पाठ्यक्रमों में व्यावसायिक और तकनीकी के क्षेत्रों की प्रमुखता है। उन्हीं को लेकर आपसी सहयोग अधिक दिखता है। दिल्ली में व्यापार प्रबंधन और महाराष्ट्र में होटल प्रबंधन के क्षेत्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ सहयोग विशेष रूप से लोकप्रिय हो रहे हैं। ट्विनिंग प्रोग्राम अधिक सफल हैं जिनमें एक विद्यार्थी को देश और विदेश दोनों ही जगह पढ़ाई करनी होती है। यह कम खचीर्ला भी होता है। ब्रैंड नाम वाले बड़े विश्वविद्यालय के साथ जुड़ना भारतीय संस्था के लिए आकर्षक है। परीक्षा और मूल्यांकन की लचीली व्यवस्था और नौकरी की अधिक संभावना इन विदेशी डिग्रियों को मूल्यवान बनाते हैं। आज ज्ञानकर्मियों की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता या आवाजाही के कारण विदेशी डिग्री की मांग तेजी से बढ़ रही है। ताजे आंकड़े बताते हैं कि तेरह लाख से कुछ ज्यादे भारतीय छात्र विदेश में गए और लगभग पचास हजार विदेशी छात्र भारत आए।

नई शिक्षा नीति शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य स्वीकार करती है। पढ़ने के लिए क्रेडिट व्यवस्था के तहत विदेशी अध्ययन के आन लाइन पाठ्यक्रम को भी मान्यता दी जाएगी। प्रत्येक विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मामलों की देखरेख के लिए अधिकारी सुनिश्चित करेंगे तथा प्राचीन छात्र संगठन भी स्थापित होंगे। अकादमिक सहयोग के लिए ट्विनिंग, ज्वाईंट और डुएल डिग्री की संभावनाओं को हकीकत में लागू करने, प्रतिष्ठित विद्वानों को बुलाने, अकादमिक नेतृत्व के लिए प्रशिक्षण, विदेशी छात्रों को पूर्वनिश्चित संख्या से आगे जाकर प्रवेश देने का प्रावधान कुछ ऐसे उपाय अपनाने की बात है जो भारतीय शिक्षा को वैश्विक रूप दे सकेंगे। यह भी नहीं भूलना चाहिए कि उच्च शिक्षा का अंतरराष्ट्रीयकरण थोड़े से चुनिंदे लोगों के लिए ही है। नई शिक्षा नीति कहती है कि चुने हुए शीर्ष विश्वविद्यालयों में से कुछ को भारत में परिसर शुरू करने अवसर मिलेगा। भारतीय उच्च शिक्षा कई तरह से अंतरराष्ट्रीय बनाने का प्रावधान है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद अमरनाथ यात्रा को लेकर भारी उत्साह, इस बार टूटेंगे सारे रिकार्ड

- डॉ. मयंक चतुर्वेदी

पहलगाम आतंकी हमले के बाद जिस तरह की नकारात्मकता देखने को मिली, उससे लग रहा था कि इस बार श्री अमरनाथ यात्रा पर जाने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में कमी आएगी। लेकिन ऑपरेशन सिंदूर की सफलता से ऐसा साफ हो चला है कि ऐसा नहीं होने जा रहा। आतंकी हमले के विरोध में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर एवं पाकिस्तानी इलाकों में की गई एयर स्ट्राइक और ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के बाद इस तीर्थ यात्रा पर जाने के लिए लोगों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है।

पिछले कुछ वर्षों में श्री अमरनाथ यात्रा पर जाने वालों की संख्या में साल दर साल इजाफा हो रहा था, उससे लग रहा था कि पिछली यात्रा के एक साल बीतने के बाद इस साल बाबा अमरनाथ के दर्शन करने वाले भक्तों का रिकॉर्ड टूट जाएगा, संख्या 5.12 लाख को पार कर सकती है। हालांकि इस बार की यात्रा के लिए 37 दिन सुनिश्चित किए गए हैं। जोकि पिछली बार की यात्रा से 15 दिन कम हैं। पिछले सााल अमरनाथ गुफा मंदिर के लिए तीर्थयात्रा 29 जून से शुरू होकर 19 अगस्त तक कुल 52 दिनों तक चली थी। वहीं, इस साल यह यात्रा 3 जुलाई से शुरू होकर 9 अगस्त तक चलेगी। फिर भी भक्तों का जो अपने भगवान के प्रति दर्शन का उत्साह दिख रहा है, वह अभूतपूर्व है।

इस संबंध में हिस ने जब पर्यटन गतिविधियों और धार्मिक यात्राओं में शामिल संस्थानों के साथ ही यात्रा पर जानेवाले अन्य लोगों से बात की तो वे जहां पहले अमरनाथ यात्रा पर श्रद्धालुओं की संख्या को लेकर निराश दिखाई दे रहे थे, अब उनमें भारी उत्साह दिखा। देश की राजधानी दिल्ली में एक टूरिज्म कंपनी में काम करने वाली पूर्णिमा शर्मा ने बताया, उनकी कंपनी सिर्फ विदेशी पर्यटकों के लिए काम करती है। भारतीय मूल के कई लोग दुनिया के कई देशों में रहते हैं, उनमें से हर साल बड़ी संख्या में लोग भारत गंगा स्नान एवं पिंडदान करने आते हैं। इस दौरान वे टूरिस्ट पैकेज लेकर कई राज्यों में धार्मिकि यात्राएं भी करते हैं। अमरनाथ यात्रा पर भी जाने वालों की अच्छी संख्या रहती है। इस बार भी बुकिंग आई है, जबकि पहले लग रहा था कि पहलगाम आतंकी घटना के बाद संख्या कम होगी, जैसा कि तुरंत में विदेशी पर्यटकों का रुख दिखा भी, पर अब हालात बेहतर हैं, हम उम्मीद कर रहे हैं कि पिछली बार की तरह ही बड़ी संख्या में लोग इस यात्रा में शामिल होंगे।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में रहने वाले शरद जैन हरिओमं शिवशक्ति अमरनाथ सेवा मंडल भोपाल के अध्यक्ष हैं, वे कहते हैं, ऑपरेशन सिंदूर के बाद लोगों में विश्वास जगा है, जहां पहले कई लोग इस साल अमरनाथ यात्रा पर जाने से मना कर रहे थे, अब वे स्वयं आगे आकर कह रहे हैं कि हमारा रजिस्ट्रेशन करवा दो। अभी तक मंडल द्वारा 200 से अधिक शिव भक्तों का ऑनलाइन पंजीयन करवाया गया है। भोपाल के अलावा छिंदवाड़ा, बैतूल, आमला, मुलताई, नर्मदापुरम के भक्त हमारे मंडल से जुड़कर अमरनाथ यात्रा करने हर साल जाते हैं। इस साल भी बड़ी संख्या में भक्त जाएंगे।

इनकी तरह ही बाबा अमरनाथ सेवा मंडल मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में हर साल श्रद्धालुओं को लेकर अमरनाथ यात्रा पर जाता है। मंडल के अध्यक्ष राम भरोज यादव का कहना है, अमरनाथ यात्रा 2025 के लिए सीहोर जिले से हजारों यात्री 28 जून से जत्थों में जम्मू के लिए रवाना होंगे। ये यात्री मालवा एक्सप्रेस से यात्रा करेंगे। फिलहाल इस ट्रेन के स्लीपर और एसी कोच में लंबी वेटिंग चल रही है। यात्रियों को असुविधा न हो, इसके लिए पूरे यात्रा काल में अतिरिक्त कोच लगाने की मांग मंडल द्वारा पश्चिम रेलवे रतलाम के उप क्षेत्रिय प्रबंधक से की गई है। अभी तक 300 से अधिक पंजीयन कराए जा चुके हैं। देश में टूरिज्म की बड़ी कंपनी इण्डियन हॉलिडे के सहायक प्रबंधक गंगेश गुंजन का कहना है, अमरनाथ यात्रा भावात्मक है, इसलिए पहलगाम में जो हुआ, उससे पूरे टूरिज्म सेक्टर में पर्यटन गिरावट दिखाई दे रही थी, वह दौर अब पीछे छूट चुका है। हमारी कंपनी के साथ दक्षिण भारत के राज्यों, महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल एवं अन्य कई राज्यों से बुकिंग आई है। पहले लग रहा था कि इस बार कम ही लोग आतंकवादी घटना के बाद इस यात्रा पर जाएंगे, पर हम गलत थे, दिनों दिन संख्या बढ़ती जा रही है। गुंजन कहते हैं, हमारी कंपनी तीन से पांच दिन के ट्रवल टूर में संपूर्ण यात्रा हेलीकॉप्टर एवं हवाई जहाज की मदद से श्रद्धालु की उसके मूल गंतव्य स्थान से लेकर वापिस उसके घर तक पूरा करा देती है, फिर जैसी पर्यटक की अपनी आवश्यकता होती है, उस अनुसार उसके लिए पैकेज उपलब्ध कराया जाता है। जिसमें होटल में रुकने से लेकर गुफा मंदिर के सभी स्थान यात्रा में शामिल रहते हैं। इसके लिए हम प्रायः छोटे रूट का इस्तेमाल करते हैं, जोकि पहलगाम होकर जाता है और बीच में सिर्फ एक ही ग्लेशियर पड़ता है, इसलिए यह यात्रा मौसम की मार से भी सुरक्षित रहती है। श्राइनबोर्ड की आनेवाली सभी एडवाइजरी का पालन करते हुए हम यात्रा को पूरा करते हैं।

दूसरी ओर टूरिज्म कंपनी के एक अन्य अधिकारी मंदीप सिंह ने हिस को बताया, पहलगाम आतंकी हमले के बाद विदेशों से जम्मू-कश्मीर आए टूरिस्टों की संख्या में कमी आई है, क्योंकि वे सभी अपने देश द्वारा निकाली गई एडवाइजरी को ध्यान में रखते हुए यात्रा करते हैं। इसके बाद भी जब ये घटना घटी थी तब कई लोगों ने अपनी यात्रा रद्द करने के लिए हमारी कंपनी में संपर्क किया था, फिर उनमें से बहुत लोग ऐसे भी रहे, जिन्होंने यात्रा का स्थान बदलवा लिया था, पर अब समय बीतने के साथ बहुत कुछ सामान्य हो चला है।

क्या है पेड़ों का संदेश?

- बाबा मायाराम

पेड़ों का महत्व सर्वविदित है। उनका स्वभाव देने का है। फल, फूल, पत्तियां, छाया तो देते ही हैं। मशहूर लेखक शेल सिल्वरस्टाइन की किताब गिविंग ट्री है, जिसकी हिन्दी में प्रस्तुति अरविंद गुप्ता ने की है। यह पुस्तिका बहुत ही प्रेरणादायक है। इसमें पेड़ जीवन भर क्या देता है, इसकी कहानी है। पेड़ औषधियों के काम आते हैं। नीम इनमें से एक है। नीम बहुत ही उपयोगी पेड़ है।

पेड़, हमें जीवन भर कुछ न कुछ देते रहते हैं। फल, फूल, पत्ते, हवा, छाया इत्यादि। अगर हमारे घर के आसपास पेड़ हैं, तो वो हमें सुकून व शांति देते हैं। विशेषकर, जब हम तनाव में होते हैं, परेशान होते हैं, तब पेड़ों की ओर जाते हैं, वे हमें राहत देते हैं। आज मैं इस कॉलम में पेड़ों के बारे में बात करना चाहूंगा, जिससे पेड़ और पर्यावरण को समग्रता में समझा जा सके।

बचपन से ही मेरा पेड़ों के साथ करीबी का नाता रहा है। घर के आसपास मधुकामिनी, इमली, नीम बेर, बील, करंज के पेड़ थे। पक्षियों के चहचहाने से ही सुबह की शुरूआत होती थी। दिन भर ठंडी हवा बहती रहती थी। गर्मी के दिनों में मधुकामिनी के फू लों की मीठी खुशबू हर तरफ होती थी। नीम के पत्ते हिलते रहते थे। इनकी शाखाओं पर पक्षी झूला झूलते थे और गाना गाते रहते थे।

पिछले कुछ सालों से मुझे देशभर में घूमने का मौका मिला है, जहां भी जाता हूं, पेड़, पहाड़, नदियां अपनी ओर खींचती ही हैं। मैं ऐसे लोगों व समुदायों से भी मिला हूं, जिन्होंने पेड़ लगाने व बचाने का काम किया है।

हमारे जिले नर्मदापुरम(मध्यप्रदेश) में ही काकड़ी नामक गांव, जो कुछ साल पहले ही नया बसा है, विस्थापित आदिवासी गांव है, उसे वहां के लोगों ने हरा-भरा कर लिया है। यहां जो पेड़ लगाए गए हैं, उनमें आम, अमरूद, नींबू, कटहल, जामुन, छीताफल, आंवला, पपीता, मुनगा, महुआ इत्यादि पेड़ शामिल हैं। बांस, सागौन और केवलार भी हैं। सभी लोग पौधों की देखरेख करते हैं। उनमें पानी व गोबर खाद देते हैं और जरूरत पड़ने पर गुड़ाई करते हैं। यह सब गांव की एकता से ही संभव हुआ है।

उत्तराखंड में सामाजिक कार्यकर्ता विजय जड़धारी, जो चिपको आंदोलन से भी जुड़े रहे हैं, उन्होंने उनके गांव जड़धार में उजड़े जंगल को घने जंगल में बदल दिया है। इस काम में उन्हें गांव को पूरा सहयोग मिला है। इससे वहां के सूख चुके जलस्त्रोत भी फिर से पानीदार हो गए हैं। यह टिहरी-गढ़वाल जिले में है। उनके गांव में गया हूं, उनके साथ इस जंगल में घूमा हूं। विजय जड़धारी बताते हैं कि टिहरी-गढ़वाल की चंबा-मसूरी पट्टी में पहले अच्छा और सुंदर जंगल था। इस गांव में भी था। पहाड़ के ढलानों से हरियाली की चादर हटने से बाढ़ और भूस्खलन का खतरा बना रहता था। यहां के कई सदाबहार जलस्त्रोत सूख गए थे, तब गांववाले चिंतित हो उठे। इके होकर सोचने लगे, और वनों के जतन में जुट गए। वे आगे बताते हैं कि जड़धार गांव के लोगों ने मिलकर तय किया कि जंगल को बचाया जाए। इसके लिए एक वन सुरक्षा समिति बनाई गई। जंगल से किसी भी तरह के हरे पेड़, ठूंठ, यहां तक कि कंटीली हरी झाड़ियों को काटने पर रोक लगाई गई। कोई भी व्यक्ति यदि अवैध रूप से हरी टहनी या झाड़ी काटता है तो उस पर जुमार्ना लगाया जाएगा, ऐसा तय किया गया।

कुछ समय के लिए पशु चरने पर भी रोक लगाई गई। कोई व्यक्ति वनों को किसी प्रकार नुकसान न पहुंचाए, यह सुनिश्चित किया गया। यह काम गांव की जरूरतों को ध्यान में रखकर किया गया जिसमें जरूरत पड़ने पर थोड़ा बहुत फेरबदल किया जा सके।

सुबह उठते ही सिर में तेज दर्द होना किस बीमारी का लक्षण है? एक्सपर्ट से जानें

कई बार आप सुबह जब सोकर उठते हैं तो सिर में हल्का या तेज दर्द महसूस करते हैं. इसके पीछे कई कारण हो सकते हैं. यदि समय से इसका इलाज नहीं करवाया जाए तो गंभीर समस्या भी बन सकती है. वैसे सुबह उठते ही सिर में दर्द होना कई बीमारियों का लक्षण है. इसलिए इसे हल्के में नहीं लेना चाहिए. ऐसा क्यों होता है और किन बीमारियों का यह लक्षण है. इस बारे में हमने बात की सीनियर फिजिशियन से.

बहुत से लोगों के साथ अक्सर ऐसा होता है. वह सुबह सोकर उठते हैं तो सिर में भारीपन, हल्का या तेज दर्द महसूस करते हैं. कई बार ऐसा रात में अधिक शराब पीने का कारण भी होता है. सुबह के समय हैंगओवर होने के कारण सिर में दर्द होता है. ऐसे में यदि आप कुछ खा लें तो सिर दर्द में आराम मिल जाता है. वैसे डॉक्टर हैंगओवर के लिए नींबू पानी या आइसक्रीम को बेस्ट मेडिसिन बताते हैं. इसके अलावा सुबह नींद खुलने पर सिर में होने वाले दर्द के और क्या कारण होते हैं. क्या यह गंभीर होते हैं.

इन कारणों से होता है सिर दर्द

एमएमजी अस्पताल के सीनियर फिजिशियन डॉ. आलोक रंजन बताते हैं कि सुबह के समय नींद खुलने पर यदि सिर में दर्द महसूस हो रहा है तो इसके पीछे सबसे सामान्य कारण है नींद का पूरा नहीं होना. इसके अलावा स्लीप एपनिया भी इसका कारण हो सकता है. इसमें शरीर में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है और सिर दर्द होता है. माइग्रेन के कारण भी सुबह नींद खुलने पर सिर दर्द महसूस होता है. तनाव के कारण भी ऐसा होता है. इसके अलावा यदि आपको डिहाइड्रेशन है तब भी सुबह के समय नींद खुलने पर सिर दर्द महसूस हो सकता है. इसके अलावा साइनस और अन्य कुछ बीमारियों के कारण भी ऐसा होता है. डॉ. आलोक रंजन कहते हैं कि यदि सुबह उठने पर आपको अक्सर सिर दर्द हो रहा तो इसकी जांच जरूर करवानी चाहिए।

शांति स्थापित करने के बजाय हम पर दबाव बढ़ा रहा है फ्रांस : रूस

मॉस्को/पेरिस। रूस ने कहा है कि फ्रांस शांति की कोशिश नहीं कर रहा है बल्कि उसके ऊपर दबाव बढ़ा रहा है। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने रूसी पत्रकार पावेल ज़ारुबिन से कहा, फ्रांस शांति की राह पर नहीं है। फ्रांस रूस पर दबाव बढ़ाने की राह पर है। उन्होंने कहा कि यह खेदजनक है कि फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों वास्तविक स्थिति को नहीं समझ पाए और उनका मानना था कि दबाव उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, केवल इस बात पर खेद व्यक्त किया जा सकता है कि फ्रांसीसी राष्ट्र के प्रमुख वास्तविक स्थिति को नहीं समझते हैं। श्री इमैनुएल मैक्रों ने बार-बार रूस विरोधी बयान और प्रस्ताव दिए हैं। मार्च में उन्होंने दावा किया कि रूस कथित तौर पर फ्रांस और यूरोप के लिए खतरा बन गया है और पूरे यूरोपीय संघ की रक्षा के लिए फ्रांस के परमाणु हथियारों के उपयोग पर चर्चा करने का आह्वान किया। क्रेमलिन ने इन टिप्पणियों को बेहद टकरावपूर्ण बताया।

कामिल इदरीस ने ली सूडान के प्रधानमंत्री पद की शपथ

खार्तूम। श्री कामिल इदरीस ने सूडान के नये प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ले ली है। श्री इदरीश ने सत्तारूढ़ संक्रमणकालीन संप्रभु परिषद के प्रमुख अब्देल फत्ताह अल-बुरहान के समक्ष शपथ ली। परिषद ने एक बयान में कहा कि शपथ ग्रहण समारोह के बाद श्री बुरहान और परिषद अन्य सदस्यों ने श्री इदरीस से मुलाकात की और सरकार की प्राथमिकताओं पर चर्चा की, जिसमें अर्थव्यवस्था को स्थिर करना, नागरिक आजीविका की रक्षा करना और राज्यों में व्यवस्था बहाल करना शामिल है। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री के रूप में श्री इदरीस की नियुक्ति 19 मई को श्री बुरहान द्वारा जारी एक संवैधानिक डिक्री के माध्यम से औपचारिक रूप से की गई थी। श्री बुरहान सूडानी सशस्त्र बलों के कमांडर के रूप में भी कार्य करते हैं। इस निर्णय का संयुक्त राष्ट्र, अफ्रीकी संघ आयोग एवं विकास पर अंतर-सरकारी प्राधिकरण (आईजीएडी) ने स्वागत किया। उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2021 में श्री बुरहान के नेतृत्व में सैन्य तख्तापलट करने और जनवरी 2022 में श्री अब्दुल्ला हमदोक के इस्तीफे के बाद से प्रधानमंत्री का पद खाली था। श्री हमदोक और अन्य नागरिक नेताओं को कुछ समय के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके कुछ बाद उन्होंने पद छोड़ दिया था और कहा था कि सूडान एक 'खतरनाक मोड़' पर है क्योंकि सैन्य शासन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए हैं।

ट्रम्प जल्द करेंगे नासा प्रमुख के नाम की घोषणाः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के नये प्रमुख के नाम की घोषणा करेंगे। यह जानकारी व्हाइट हाउस दी है। इससे पहले श्री ट्रम्प ने टेक अरबपति जेरेड इसाकमैन को नासा के प्रमुख के रूप में नामित किया था, जो प्रसिद्ध उद्यमी एलन मस्क के करीबी सहयोगी हैं। एजेंस फ्रांस-प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने कहा, यह जरूरी है कि नासा का अगला प्रमुख ऐसा व्यक्ति हो जो राष्ट्रपति ट्रम्प के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के साथ पूरी तरह से ठीक बैठता हो। राष्ट्रपति ट्रम्प द्वारा जल्द ही इसके बारे में घोषणा की जाएगी। इससे पहले अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों का हवाला से अपनी रिपोर्ट में बताया था कि श्री ट्रम्प इसाकमैन के नामांकन को वापस लेना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि श्री ट्रम्प ने चार दिसंबर, 2024 को नासा प्रमुख के पद के लिए श्री इसाकमैन को नामित किया था। इसके बाद अप्रैल के अंत में वाणिज्य, विज्ञान और परिवहन के लिए सीनेट समिति ने श्री इसाकमैन की इस पद पर पुष्टि की सिफारिश की थी।

रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पुल ढहने से सात की मौत, 35 घायल

मास्को। रूस के ब्रांस्क क्षेत्र में पुल ढहने के कारण सात लोगों की मौत हो गयी तथा 35 अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे भी शामिल हैं। क्षेत्र के गवर्नर अलेक्जेंडर बोगोमाज़ ने यह जानकारी दी है। उन्होंने टेलीग्राम पर कहा, पाँच और लोगों ने चिकित्सा सहायता मांगी। फिलहाल घटना के कारण सात लोगों की मौत हो गई है और 35 घायल हुए हैं, जिनमें तीन बच्चे शामिल हैं। एक बच्चे को एयर एम्बुलेंस द्वारा

मास्को ले जाया जाएगा। इससे पहले उन्होंने कहा था कि ब्रांस्क क्षेत्र के विगोनिचस्की जिले में एक पुल ढह गया है। इस हादसे में सात लोगों की मौत हुयी है और 30 लोग घायल हुए हैं। मास्को रेलवे की रिपोर्ट के अनुसार क्लिमोव-मास्को मार्ग पर यात्री ट्रेन नंबर 86 के लोकोमोटिव और डिब्बे परिवहन संचालन में अवैध हस्तक्षेप के कारण यह हादसा हुआ।

मध्यपूर्व में शांति प्रयासों को झटकाः अमेरिकी दूत विटकॉफ ने हमास की प्रतिक्रिया को 'अस्वीकार्य' बताया

एजेंसी
वाशिंगटन/गाजा। गाजा संघर्ष के बीच चल रही संघर्षविराम वार्ताओं को लेकर अमेरिका ने हमास की प्रतिक्रिया को पूरी तरह अस्वीकार्य करार दिया है। अमेरिका के मध्यपूर्व विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने हमास के ताजा जवाब पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा, हमास की प्रतिक्रिया हमें पीछे ले जाती है। यह पूरी तरह अस्वीकार्य है। विटकॉफ ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, हमास को उस रूपरेखा को स्वीकार करना चाहिए जिसे हमने आगे बढ़ाने के लिए प्रस्तावित किया है, ताकि इस सप्ताह से ही 'प्रॉक्सिमिटी टॉक्स' (परोक्ष वार्ता) शुरू की जा सके। विटकॉफ ने यह भी कहा कि प्रस्तावित 60 दिन के संघर्षविराम के भीतर आधे जीवित बंधकों और मृतकों के शवों की वापसी

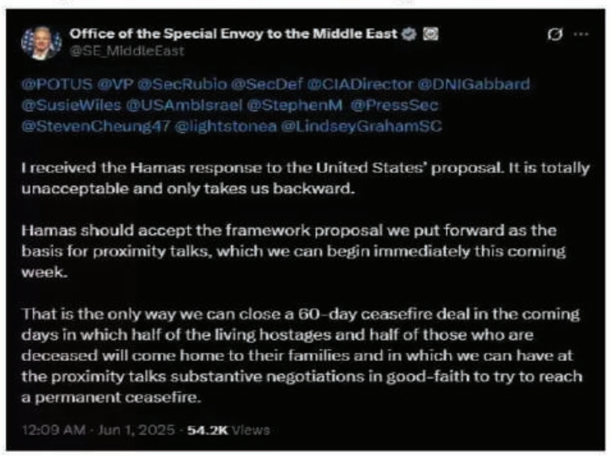

सुनिश्चित की जा सकती है। उन्होंने कहा, यह एकमात्र रास्ता है जिससे हम सार्थक और सद्भावनापूर्ण स्थायी संघर्षविराम तक पहुंचने के प्रयास कर सकते हैं। इससे पहले, हमास ने एक बयान में कहा था कि उसने संघर्षविराम प्रस्ताव के जवाब में कुछ संशोधन सुझाए हैं। हमास ने यह स्पष्ट किया कि उसका जवाब स्थायी संघर्षविराम, इजराइली सेना की पूर्ण वापसी और मानवीय सहायता की अबाध आपूर्ति की मांगों के दायरे में है। प्रस्ताव के तहत हमास 10 जीवित इजराइली बंधकों को रिहा करने और 18 शवों को सौंपने के लिए तैयार है, बशर्ते एक तय संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों को रिहा किया जाए। उल्लेखनीय है कि अमेरिका, मिस्र और कतर के नेतृत्व में चल रही इन वार्ताओं का मकसद लगभग 20 महीने से जारी गाजा संघर्ष को समाप्त करना है। हालांकि, हालिया गतिरोध से यह स्पष्ट है कि संघर्षविराम की राह अब भी कठिन बनी हुई है।

नाइजीरिया में बाढ़ से भारी तबाही, मोक्वा में 151 लोगों की मौत

एजेंसी
अबुजा (नाइजीरिया)। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तरी नाइजरी राज्य में बाढ़ से जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। अकेले मोक्वा में इस आपदा में कम से कम 150 लोग मारे गए। भारी बारिश से हालात मुश्किल हो गए हैं। शनिवार सुबह 9 बजे तक 151 शव बरामद किए गए हैं। इनमें कई बच्चों के शव भी शामिल हैं। सीएनएन की खबर के अनुसार राज्य की आपातकालीन प्रबंधन एजेंसी के प्रवक्ता इब्राहिम हुसैनी ने कहा कि 3,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं। उन्होंने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। मोक्वा निवासी 26 वर्षीय हसन अब्दुल्लाही ने बताया कि घर में पानी भर जाने से उनके परिवार के नौ सदस्यों की मौत हो गई, जिसमें उनकी मां और 4 से 8 साल की उम्र के दो भतीजे और भतीजियां शामिल हैं। बाढ़ में सब कुछ बरबाद हो गया। सारा सामान बह गया है। इस आपदा पर राष्ट्रपति बोला टीनूबू ने वादा किया है कि

संघीय सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि नाइजर राज्य के मोक्वा में हर बाढ़ प्रभावित की यथासंभव मदद की जाए। उन्होंने बाढ़ आपदा पर दुख व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय आपातकालीन प्रतिक्रिया केंद्र सक्रिय है। खोज और बचाव अभियान जारी है।

हमास ने चल रही वार्ता के बीच गाजा के लिए अमेरिकी युद्धविराम योजना में बदलाव की मांग की

एजेंसी
तेल अवीव/गाजा। अमेरिका द्वारा प्रस्तुत नवीनतम युद्धविराम प्रस्ताव पर हमास ने प्रतिक्रिया देते हुए कुछ बिंदुओं पर संशोधन की मांग की है। हमास के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनकी आपत्तियां विशेष रूप से अमेरिकी गारंटी, बंधकों की रिहाई की समय-सीमा, मानवीय सहायता की आपूर्ति और इजराइली सेनाओं की वापसी से संबंधित हैं। हमास की ओर से एक बयान जारी कर कहा गया कि प्रस्ताव का उद्देश्य स्थायी युद्धविराम, गाजा से सम्पूर्ण इजराइली वापसी और सुनिश्चित सहायता आपूर्ति है। हमास ने यह भी कहा कि वह 10 जीवित बंधकों और 18 मृत बंधकों के शवों को निर्धारित संख्या में फिलिस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले सौंपने के लिए तैयार है। वहीं, इजराइली अधिकारियों ने अमेरिका के इस प्रस्ताव को अस्थायी युद्धविराम के रूप में मंजूरी दे दी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बयान

में कहा कि वार्ताकार एक समझौते के काफी करीब पहुंच चुके हैं।

गाजा में गहराता मानवीय संकट

इसी बीच, गाजा में भूख और कुपोषण की स्थिति लगातार गंभीर होती जा रही है। संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी) के अनुसार, भूखे फिलिस्तीनियों ने दर्जनों खाद्य ट्रकों को रोककर उनमें से अधिकांश खाद्य सामग्री उतार ली। संगठन के मुताबिक, 77 ट्रक अपने गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों द्वारा रोक लिए गए। डब्ल्यूएफपी ने कहा कि उसके पास 1.4 लाख मीट्रिक टन खाद्यान्न तैयार है, जो गाजा की पूरी आबादी को दो महीने तक भोजन उपलब्ध करा सकता है, लेकिन इसके वितरण में सुरक्षा और अनुमति की बड़ी बाधाएं बनी हुई हैं।

थाईलैंड की सुंदरता का जलवा, ओपल बनीं मिस वर्ल्ड

एजेंसी
वाशिंगटन। 72वें मिस वर्ल्ड फेस्टिवल 2025 का भव्य फिनाले आज हैदराबाद के हाईटेक्स एग्ज़िबिशन सेंटर में धूमधाम से आयोजित हुआ। इस प्रतिष्ठित खिताब पर इस बार थाईलैंड ने कब्जा जमाया। थाईलैंड की प्रतिनिधि, ओपल सुचाता चुआंगसरी ने कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच 72वीं मिस वर्ल्ड का ताज अपने नाम किया। भारत की ओर से भाग ले रहीं कोटा, राजस्थान की नंदिनी गुप्ता एशिया कॉन्टिनेंटल टॉप-2 तक भी नहीं पहुंच सकीं, जिससे भारत के लिए सातवीं बार यह खिताब जीतने का सपना अधूरा रह गया। दुनियाभर से आई सुंदरियों और दर्शकों की मौजूदगी में यह आयोजन बेहद भव्य और यादगार रहा।मिस वर्ल्ड 2025 प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए दुनिया भर के 108 देशों से खूबसूरत प्रतिभागी हैदराबाद पहुंचीं थीं। इनमें से भारत की नंदिनी गुप्ता समेत 40 प्रतिभागियों ने अपने शानदार प्रदर्शन से ग्रैंड फिनाले के लिए जगह बनाई थी। हालांकि, भारत की उम्मीदों को

झटका लगा जब नंदिनी गुप्ता प्रतियोगिता से पहले ही बाहर हो गई। इस साल मिस वर्ल्ड का ताज थाईलैंड की ओपल सुचाता चुआंगसरी के सिर सजा, जिन्होंने अपने आत्मविश्वास और प्रतिभा से सभी को प्रभावित किया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता मिस वर्ल्ड की चेयरपर्सन जूलिया मोर्ले ने की, जबकि निर्णायक मंडल में बॉलीवुड अभिनेता सोनू सूद, जानी-मानी उद्यमी सुधा रेड्डी और मिस इंग्लैंड 2014 कैरिना टायरेल शामिल थीं।

सीरिया और सऊदी अरब आर्थिक साझेदारी को देंगे नई रफ्तार, प्रतिबंधों में ढील के बाद निवेश के रास्ते खुले

एजेंसी
दमिश्क। पश्चिमी देशों द्वारा सीरिया पर लगाए गए आर्थिक प्रतिबंधों में हालिया ढील के बाद सीरिया और सऊदी अरब ने आपसी आर्थिक सहयोग को बढ़ाने का निर्णय लिया है, ताकि दोनों देशों को पारस्परिक लाभ मिल सके और युद्धग्रस्त सीरिया में नौकरियों के नए अवसर सृजित किए जा सकें। यह घोषणा सऊदी अरब के विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान की दमिश्क यात्रा के दौरान की गई, जहां उन्होंने सीरियाई राष्ट्रपति अहमद अल-शराआ और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात की। प्रिंस फैसल ने कहा कि अमेरिका, यूरोपीय संघ और ब्रिटेन द्वारा इस महीने की शुरुआत में लगाए गए प्रतिबंधों में ढील से सीरिया की ठप पड़ी अर्थव्यवस्था को फिर से गति मिल सकेगी। उन्होंने बताया कि सऊदी व्यापारिक

प्रतिनिधिमंडल शीघ्र ही सीरिया का दौरा करेगा और तेल, बुनियादी ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी, दूरसंचार और कृषि जैसे क्षेत्रों में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा करेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि सऊदी अरब और कतर मिलकर सीरिया के सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारियों को वित्तीय सहायता प्रदान करेंगे> हालांकि इस संबंध में उन्होंने विस्तृत जानकारी नहीं दी। प्रिंस फैसल ने कहा, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि सीरिया के पुनर्निर्माण और आर्थिक पुनरुत्थान की यात्रा में सऊदी अरब अग्रणी भूमिका निभाएगा। सीरियाई विदेश मंत्री असद अल-शिबानी ने भी इस मुलाकात को दोनों देशों के बीच सहयोग के एक नए युग की शुरुआत बताया। उन्होंने कहा कि आर्थिक और राजनीतिक स्तर पर यह साझेदारी सीरिया के विकास की नींव रखेगी। इस ऐतिहासिक बैठक से दो दिन पहले, सीरिया ने कतर, तुर्की और अमेरिकी कंपनियों के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है, जिसके तहत 5000 मेगावाट की ऊर्जा परियोजना विकसित की जाएगी। इसका उद्देश्य युद्ध से क्षतिग्रस्त विद्युत ढांचे को फिर से दुरुस्त करना है।

गाजा में 13 मई को सिलसिलेवार एयरस्ट्राइक में मारा गया हमास नेता मुहम्मद सिनवारः आईडीएफ

जेंसी
तेल अवीव/गाजा। इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने पुष्टि की है कि बीते 13 मई को गाजा के दक्षिणी क्षेत्र खान यूनिस में किए गए एक बेहद सटीक हवाई

हमले में हमास के वरिष्ठ नेता मुहम्मद सिनवार मारे गए। इस हमले में 30 सेकंड में 50 से अधिक बम गिराए गए थे। अनुसार, यह हमला खान यूनिस स्थित यूरोपीय अस्पताल के नीचे फैले हमास के भूमिगत सुरंग नेटवर्क और कमांड सेंटर को निशाना बनाकर किया गया था। हमले में सिनवार के अलावा राफा ब्रिगेड के कमांडर मुहम्मद शबाना और दक्षिण खान यूनिस बटालियन के कमांडर महदी क्वारा भी मारे गए। सेना ने यह भी दावा किया कि सभी मिसाइलें सटीक थीं और अस्पताल को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। इस पुष्टि के बाद इजराइल के रक्षा मंत्री इसराइल कात्ज ने एक तीखा बयान जारी किया। उन्होंने कहा कि अब यह आधिकारिक है कि हत्यारा मुहम्मद सिनवार, राफा ब्रिगेड प्रमुख मुहम्मद शबाना और उनके साथियों के साथ मारा गया। उसे अपने भाई के पास नर्क के दरवाजे पर भेज दिया गया।कात्ज ने आगे चेतावनी देते हुए कहा कि हमास के गाजा सिटी कमांडर इज्ज अल-दीन हद्दाद और विदेश में बैठे नेता खलील अल-हय्या तथा अन्य उनके साथी भी तैयार रहें, आप अगली पंक्ति में हैं।

इंडोनेशिया में खदान धंसने से मृतकों की संख्या 17 हुई, राहत कार्य जारी

एजेंसी
सिरेबोन। इंडोनेशिया के वेस्ट जावा प्रांत में स्थित एक पत्थर की खदान के धंसने की घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। गुनुंग कुडा खदान, जोकि सिरेबोन जिले में स्थित है, शुक्रवार को अचानक धंस गई थी। अब भी 8 लोग लापता हैं, जिन्हें मलबे से निकालने के लिए राहत एवं बचाव कार्य जारी है। स्थानीय पुलिस प्रमुख सुमार्नी ने बताया कि अब तक 16 शव बरामद किए जा चुके हैं, जबकि एक घायल व्यक्ति की इलाज के दौरान अस्पताल में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि राहत दल अब भी लापता लोगों की तलाश

कर रहा है, लेकिन खराब मौसम, अस्थिर जमीन और कठिन भू-भाग बचाव कार्य में बाधा बना हुआ है। खदान के धंसने के पीछे का कारण अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने खदान मालिक समेत 6 लोगों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच के अनुसार खदान सुरक्षा मानकों पर खरी नहीं उतरती थी। वेस्ट जावा के गवर्नर डेडी मुल्यादी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो संदेश में बताया कि उन्होंने इस खदान का दौरा अपने चुनाव से पहले किया था और तब ही उसे खतरनाक पाया था। उन्होंने कहा कि उस समय मेरे पास इसे बंद कराने का अधिकार नहीं था। अब गवर्नर बनने के बाद मुल्यादी ने इस खदान सहित चार अन्य अवैध खनन स्थलों को बंद करने का आदेश दिया है।

नेपाल में राजतंत्र समर्थकों ने तीसरे दिन भी किया प्रदर्शन, प्रधानमंत्री निवास घेरा

एजेंसी
काठमांडू। नेपाल में राजतंत्र की वापसी और हिन्दू राष्ट्र की घोषणा की मांग करते हुए राजशाही समर्थकों का प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। प्रधानमंत्री निवास की तरफ जा रही भीड़ को रोकने का प्रयास सुरक्षा बलों ने किया, लेकिन भारी भीड़ की वजह से यह संभव नहीं हो पाया। बाद में हजारों की संख्या में प्रदर्शनकारियों ने प्रधानमंत्री निवास का घेराव किया। राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के नेतृत्व में लगातार तीसरे दिन आज राजदरबार के आगे प्रदर्शन की घोषणा की गई थी। सरकार ने इस प्रदर्शन को रोकने के लिए एक दिन पहले ही पूरे राजदरबार के आसपास के इलाकों में निषेधाज्ञा लगाते हुए किसी भी तरह के सभा, जुलूस, प्रदर्शन पर रोक लगा दी थी।इसके विरोध में प्रदर्शनकारियों ने राजदरबार के बदले प्रधानमंत्री निवास के घेराव की योजना बनाई। काठमांडू के रत्नपार्क से प्रदर्शनकारियों की भीड़

प्रधानमंत्री के सरकारी आवास की तरफ बढ़ने लगी। अचानक से बदली रणनीति के बाद भारी संख्या में पुलिस वालों को तैनात किया गया। रत्नपार्क से प्रधानमंत्री निवास की तरफ जा रही भीड़ को रोकने का प्रयास सुरक्षा बलों ने किया, लेकिन भारी भीड़ की वजह से यह संभव नहीं हो पाया। आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि हम शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले हैं और सुरक्षा बलों से भी संयमित होने की अपील करते हैं। तीसरे दिन का प्रदर्शन भी बिना किसी झड़प और टकराव के शांतिपूर्ण तरीके से पूरा हो गया। आरपीपी ने इसके लिए सभी को धन्यवाद देते हुए कल के प्रदर्शन में फिर से आने की अपील की है।

रूस-यूक्रेन वार्ता का नया दौर दो जून को होने की उम्मीद

मॉस्को/इस्तांबुल। रूस-यूक्रेन वार्ता का नया दौर इस्तांबुल में तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तईप एर्दोआन के कार्यालय में होने की उम्मीद है।सूत्रों ने कहा,सबसे अधिक संभावना है कि यह दौर फिर से डोलमाबाहचे में कार्यालय में होगा। संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि वसीली नेबेंजिया ने कहा कि इस्तांबुल में यूक्रेन के साथ संभावित आगामी वार्ता में रूस वार्ता प्रक्रिया के लिए दोनों पक्षों के दृष्टिकोणों पर ज्ञापनों का आदान-प्रदान करने का प्रस्ताव करता है। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने पहले यूक्रेन को 15 मई को इस्तांबुल में बिना किसी पूर्व शर्त के सीधी वार्ता फिर से शुरू करने का सुझाव दिया था। क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यूक्रेन के साथ प्रस्तावित वार्ता का उद्देश्य संघर्ष के मूल कारणों को खत्म करना और रूस के हितों को सुनिश्चित करना है। रूसी प्रतिनिधिमंडल 15 मई को इस्तांबुल पहुंचा, लेकिन दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच कोई संपर्क नहीं हुआ। यह बैठक अगले दिन हुई और लगभग दो घंटे तक चली। रूसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले रूसी राष्ट्रपति के सहयोगी व्लादिमीर मेडिंस्की ने कहा कि दोनों देश संभावित युद्ध विराम के अपने दृष्टिकोण प्रस्तुत करने के लिए सहमत हुए हैं। श्री मेडिंस्की ने यूक्रेन के साथ बातचीत जारी रखने के लिए रूस की तत्परता भी बताई।

श्रीलंका में खराब मौसम के कारण 6000लोग प्रभावित

एजेंसी
कोलंबा। श्रीलंका में खराब मौसम के कारण लगभग 6,000 लोग प्रभावित हुये हैं।

आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) की नवीनतम रिपोर्ट के अनुसार प्रतिकूल परिस्थितियों ने 1,579 परिवारों के 5,974 व्यक्तियों को प्रभावित किया है, जबकि 1,545 घरों को आंशिक नुकसान पहुंचा है। इस बीच, श्रीलंका के सरकारी सीलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीईबी) ने मानसून में भारी बारिश और तेज

हवाओं के कारण शुक्रवार रात आठ बजे तक 50,000 से अधिक बार बिजली कटौती की सूचना दी है। मौसम विभाग ने चेतावनी दी कि अगले 24 घंटों तक भारी बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवायें चलने के आसार हैं। लोगों को गरज के साथ स्थानीय तेज हवाओं और बिजली गिरने से बचने के लिये सावधानी बरतने की सलाह दी गयी है। श्रीलंका की भौगोलीय स्थिति को देखते हुये इस तरह के खराब मौसम में ऐसी घटनाओं की आशंका अधिक रहती है।गौरतलब है कि श्रीलंका में दक्षिण-पश्चिम मानसून (मई से सितंबर) और पूर्वोत्तर मानसून (दिसंबर से मार्च) दो मुख्य मानसून मौसम होते हैं। इन अवधियों में अक्सर भारी वर्षा, तेज़ हवायें चलती हैं और व्यापक बाढ़ और भूस्खलन होती रहती हैं, जिसके कारण बुनियादी ढाँचे को नुकसान पहुँचता है, परिवहन, मोबाइल संचार जैसे क्षेत्रों पर असर पड़ता है और बड़े पैमाने पर बिजली कटौती होती है।

मूल कारणों के समाधान तक यूक्रेन में जारी रहेगा सैन्य अभियानःरूस

एजेंसी
मॉस्को। वरिष्ठ रूसी अधिकारियों ने कहा है कि यूक्रेन में सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा जब तब संघर्ष के मूल कारणों का समाधान नहीं हो जाता और शांति समझौतों की औपचारिक पुष्टि नहीं हो जाती। रूसी स्टेट ड्यूमा की रक्षा समिति के अध्यक्ष एंड्री कार्टापोलोव ने बिना शर्त युद्ध विराम की संभावना से इनकार करते हुए कहा, हमारा देश तब तक अपना हमला जारी रखेगा जब तक कि चीजें 'लिखित रूप में नहीं रखी जातीं। रूस के सरकारी मीडिया ताश (टीएएसएस) के अनुसार, देश की संघीय टीवी एजेंसी चैनल वन पर श्री कार्टापोलोव ने कहा, हम केवल युद्ध विराम के लिए सहमत नहीं होंगे। जब सब कुछ लिखित रूप में रखा जाता है, कानून में पारित किया जाता है, संसदों द्वारा पुष्टि की जाती है, और एक वास्तविक, स्थायी समझौते का हिस्सा बन जाता है - तभी शांति पर विचार किया जा सकता है। तब तक, विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा।

क्रिकेटर रिंकू सिंह करने जा रहे शादी, सपा सांसद संग लेंगे सात फेरे, 8 जून को सगाई; शादी भी इसी साल

एजेंसी

नई दिल्ली। कोलकाता नाइट राइडर्स और भारतीय क्रिकेट टीम के मशहूर खिलाड़ी रिंकू सिंह शादी के बंधन में बंधने जा रहे हैं। वह समाजवादी पार्टी की सांसद प्रिया सरोज से सात फेरे लेंगे। दोनों ने रिलेशनशिप में रहने के बाद शादी का फैसला लिया। सगाई 8 जून को लखनऊ में होगी, जबकि शादी इसी साल 18 नवंबर को वाराणसी के होटल ताज में होगी।

सगाई की तारीखः 8 जून 2025
सगाई की जगहः लखनऊ
शादी की तारीखः 18 नवंबर 2025
शादी की जगह :होटल ताज, वाराणसी

रिंकू और प्रिया की लव स्टोरी

प्रिया सरोज के पिता तूफानी सरोज, जो समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद हैं ने बताया कि उनकी बेटी की एक दोस्त के पिता क्रिकेटर हैं। उन्हीं के जरिए प्रिया और रिंकू की पहली मुलाकात हुई थी। धीरे-धीरे दोनों की दोस्ती प्यार में बदल गई और अब वे शादी करने जा रहे हैं।

इंग्लैंड को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज विंडीज वनडे सीरीज से बाहर

लंदन। इंग्लैंड के ऑलराउंडर जेमी ओवरटन दाहिनी छोटी उंगली में फ्रैक्चर के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ बचे हुए वनडे और आगामी टी20आई सीरीज से बाहर हो गए हैं। ओवरटन को यह चोट गुरुवार को एजबेस्टन में पहले वनडे में इंग्लैंड की जीत के दौरान लगी, जब उन्होंने कीसी कार्टी का तेज रिटर्न कैच छोड़ा और तुरंत इलाज के लिए मैदान से बाहर चले गए। जैकब बेथेल ने ओवरटन का ओवर पूरा किया और बाद में उंगली पर भारी पट्टी बंधे होने के बावजूद मैदान पर लौटे। उन्होंने 5.2 ओवर में 3/22 के गेंदबाजी आंकड़े दिए। शुरू में इसे उंगली का उखड़ना समझा गया, लेकिन अब इसकी पुष्टि फ्रैक्चर के रूप में हुई है। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने बयान में कहा कि वह अब इंग्लैंड की मेडिकल टीम की निगरानी में पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजरेंगे। वनडे टीम में कोई रिप्लेसमेंट नहीं जोड़ा जाएगा। इंग्लैंड के व्हाइट-बॉल कप्तान हैरी ब्रूक ने अपनी कप्तानी की शुरुआत में जीत के बाद कहा कि यह लड़कों का शानदार प्रदर्शन था। मैं बार-बार यही कह रहा हूं। बल्लेबाजी इकाई के रूप में बड़े रन बनाएं। गेंदबाजी इकाई के रूप में मैदान के आयामों के अनुसार गेंदबाजी करें। फील्डिंग इकाई के रूप में प्रतिबद्ध रहें और गेंद का पीछा करें।

इतिहासकार को बैग उठाने वाला बोला, शोएब अख्तर को आया मानहानि का नोटिस

कराची। पाकिस्तान के जाने-माने क्रिकेट इतिहासकार, लेखक और टेलीविजन शख्सियत डॉ. नौमान नियाज ने उन्हें बदनाम करने का आरोप लगाते हुए पूर्व तेज गेंदबाज शोएब अख्तर को नोटिस भेजा है। सरकारी स्वामित्व वाले पाकिस्तान टेलीविजन नेटवर्क (पीटीवी) के पूर्व खेल निदेशक डॉ. नियाज ने अपने वकील के माध्यम से यह नोटिस भेजा है। अख्तर ने कथित तौर पर उनके पाकिस्तान टीम के साथ कार्यकाल के दौरान उन्हें 'किट मैन' बताया था। इस पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा कि डॉ. नियाज मूल रूप से टीम में हमारे लिए बैग और सामान ढोते थे।' अख्तर जब पाकिस्तान टीम के खेलते थे तब डॉ. नियाज ने कुछ दौरों पर पाकिस्तान टीम के डेटा विश्लेषक के रूप में काम किया था। अख्तर ने टीम में कोचों और प्रबंधकों की भूमिका की आलोचना करते हुए बताया कि कैसे डॉ. नियाज खिलाड़ियों के बैग ढोने के लिए टीम में थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने टीम में यही काम किया। मुझे उनके किसी और काम के बारे में जानकारी नहीं है। डॉ. नियाज के वकील ने इस नोटिस में 14 दिन के भीतर बिना शर्त माफी मांगने को कहा है। ऐसा नहीं करने पर उन्हें कानूनी कार्रवाई और हर्जाने का सामना करने के लिए तैयार रहना होगा। इन दोनों के बीच पहले भी टकराव हो चुका है। इमरान खान की सरकार के समय में डॉ. नियाज ने मामूली विवाद के बाद अख्तर को पीटीवी पर लाइव शो छोड़ने के लिए कहा था। एक मंत्री के हस्तक्षेप पर उन्होंने बाद में इस तेज गेंदबाज से माफी मांगी और दोनों ने तब विवाद सुलझा लिया था।

वनडे में लागू होंगे नए नियम, 34 ओवर के बाद बदलेगी गेंद, अगर...

एजेंसी

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) जुलाई 2025 से वनडे क्रिकेट में नए नियम लागू करने की तैयारी में है। उक्त जानकारी एक हालिया रिपोर्ट में सामने आई है। इन नए नियमों का उद्देश्य खेल को और अधिक रोमांचक और रणनीतिक रूप से संतुलित बनाना है। विशेष रूप से, वनडे क्रिकेट में पिछले एक दशक से लागू दो गेंदों के नियम में बदलाव किया जा रहा है, जिसके तहत अब पारी के अंत तक एक ही गेंद का उपयोग होगा। यह बदलाव रिवर्स स्विंग को फिर से लाने और बल्ले व गेंद के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए किया जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, वनडे मैचों में पहले 34 ओवरों तक दो नई गेंदों का उपयोग होगा, लेकिन इसके बाद क्षेत्ररक्षण करने वाली टीम को 35वें से 50वें ओवर तक एक गेंद चुननी होगी। यदि मैच 25 ओवरों या उससे कम का हो, तो केवल एक नई गेंद का उपयोग होगा। यह नियम 2 जुलाई 2025 से श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच कोलंबो में शुरू होने वाली वनडे सीरीज से लागू होगा।

इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिपः इंडियन वॉरियर्स की जीत की हैट्रिक, एशियन किंग्स टूर्नामेंट से बाहर

ग्रेटर नोएडा। शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (ग्रेटर नोएडा) में खेले जा रहे इंटरकॉन्टिनेंटल लीजेंड चैंपियनशिप के पांचवे दिन इंडियन वॉरियर्स ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए एशियन किंग्स को डीएलएस पद्धति के तहत 7 विकेट से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। यह वॉरियर्स की लगातार तीसरी जीत रही, जिससे वे पॉइंट्स टेबल में शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं।

इस मुकाबले में एशियन किंग्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। ओपनर इम्तियाज अहमद और तिलकरत्ने दिलशान की अनुभवी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत दी और पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। इम्तियाज (19) के आउट होने के बाद किंग्स की पारी लड़खड़ा गई। दिलशान (23) ने कुछ देर तक मोर्चा संभाला, लेकिन लगातार गिरते

विकेटों ने उन पर दबाव बना दिया और वे सुमित सिंह की गेंद पर पगबाधा हो गए। इसके बाद उमंग शर्मा (25) और बिपुल शर्मा (48) ने पारी को फिर से संभाला, और अंत में अमित मिश्रा की तूफानी 6 गेंदों में 24 रन की पारी ने स्कोर को 195 रन तक पहुंचाया, जो कि मुकाबले को प्रतिस्पर्धी बना गया। 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडियन वॉरियर्स की शुरुआत लड़खड़ाई और उन्होंने केवल 10 रन पर कप्तान प्रियंक पंचाल का विकेट खो दिया। लेकिन इसके बाद बल्लेबाजों ने मोर्चा संभाल लिया। 9 ओवर के बाद बारिश ने खेल में खलल डाला, उस समय वॉरियर्स 3 विकेट पर 87 रन बना चुके थे। डीएलएस मैथड के अनुसार उन्हें अगली 30 गेंदों में 63 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। मौसिफ खान (31), केदार देवधर (33), पवन नेगी नाबाद (42) और 12 गेंदों में ताबड़तोड़ 33 रन बनाकर अरुण छपराना की दमदार पारियों की बदौलत वॉरियर्स ने आसानी से लक्ष्य हासिल कर लिया। अरुण छपराना को मैन ऑफ द मैच का खिताब भी दिया गया।

फोर नेशंस टूर्नामेंटःभारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने उरुग्वे को शूटआउट में हराया

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने अर्जेंटीना के रोसारियो में चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में निर्धारित समय में 2-2 से ड्रॉ के बाद उरुग्वे के खिलाफ शूटआउट में 3-1 से जीत हासिल की। मुकाबले में भारत की उपकप्तान हिना (10वें मिनट) और लालरिनपुई (24वें मिनट) ने गोल किया। वहीं गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में अपने मौकों को भुनाकर जीत सुनिश्चित की। मुकाबले में भारतीय जूनियर टीम ने मजबूत शुरुआत की। उपकप्तान हिना ने 10वें मिनट में पहला गोल किया। इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में बढ़त दोगुनी कर दी और हाफटाइम तक भारत की 2-0 से बढ़त रही। हालांकि, उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में वापसी की। टीम की खिलाड़ी इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट में एक गोल किया, जबकि मिलग्रोस सीगल ने तीन मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबले का परिणाम शूटआउट में निकला। शूटआउट में भारत ने अपना संयम बनाए रखा। भारतीय खिलाड़ी गीता, कनिका और लालथंतलागी ने लगातार तीन गोल किए, जबकि उरुग्वे की टीम केवल एक ही गोल कर सकी। भारतीय टीम अगला मैच मेजबान अर्जेंटीना के खिलाफ खेलेगी।

HOCKEY INDIA

मध्यप्रदेश लीग का सीजन 2 रचेगा इतिहासः ज्योतिरादित्य सिंधिया

एजेंसी

इंदौर। केंद्रीय मंत्री एवं मध्यप्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के अध्यक्ष ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आगामी मध्यप्रदेश प्रीमियर लीग (एमपीएल) सीजन 2 को 'ऐतिहासिक' बताते हुए इसे प्रदेश के खेल विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया है। यह बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट 12 जून से ग्वालियर के श्रीमंत माधवराव सिंधिया क्रिकेट स्टेडियम में शुरू होगा। ग्वालियर डिवीजन क्रिकेट संघ (जीडीसीए) द्वारा एमपीसीए के तत्वावधान में आयोजित यह पुरुषों की टी20 लीग, पिछले सीजन की अपार सफलता के बाद और भी व्यापक रूप में सामने आ रही है। इस बार दो नई टीमों- चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स को जोड़ा गया है, जिससे कुल टीमों की संख्या सात हो गई है। सिंधिया ने कहा, 'मध्यप्रदेश लीग ने देश की क्रिकेट लीगों में पहले ही अपनी खास जगह बना ली है। मुझे विश्वास है कि यह सीजन न केवल रोमांचक होगा, बल्कि इतिहास भी रचेगा। हमारे कई युवा खिलाड़ी पहले ही आईपीएल में अपनी प्रतिभा दिखा चुके हैं और यह मंच भविष्य के सितारों को जन्म देगा। इस साल एमपीएल ने हरित

पहल के रूप में एक नई शुरुआत की है। सिंधिया ने बताया कि इस बार एक मोबाइल ऐप लॉन्च किया गया है, जिसमें हर डॉट बॉल पर एक पेड़ लगाया जाएगा। यह सिर्फ खेल नहीं, बल्कि पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भी प्रतीक है।

एमपीएल क्रिकेट क्लैश ऐप लॉन्चःफैंस के रोमांच को और बढ़ाने के लिए एमपीएल ने 'एमपीएल क्रिकेट क्लैश' नाम से एक एक्सक्लूसिव मोबाइल गेमिंग ऐप भी लॉन्च किया है। यह एक फ्री टू प्ले गेम है, जिसमें उपयोगकर्ता वर्चुअली अपनी पसंदीदा टीम चुनकर लीग का आनंद ले सकते हैं।

महिला लीग की नई शुरुआत

सीजन-2 से महिला क्रिकेट लीग की भी शुरुआत की जा रही है। पुरुषों के मैचों के साथ ही महिला मुकाबले भी खेले जाएंगे। महिला लीग में तीन टीमें भोपाल वोल्व्स, चंबल घड़ियाल्स और बुंदेलखंड बुल्स भाग लेंगी।

शुभमन गिल के समर्थन में शिखर धवन, कहा- टेस्ट कप्तानी के लिए बिल्कुल सही विकल्प

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए शुभमन गिल को टेस्ट कप्तान बनाया गया है। कुछ लोगों ने इस फैसले पर आपत्ति जताई है तो कुछ ने गिल का समर्थन किया है। गिल के समर्थकों में एक नाम पूर्व ओपनर बल्लेबाज शिखर धवन उर्फ गब्बर का भी जुड़ गया है।

धवन मानते हैं कि गिल टेस्ट कप्तान के रूप में बुलकुल सही विकल्प हैं। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद यह फैसला लिया गया है। धवन ने कहा, मुझे लगता है कि यह एक बढ़िया विकल्प है। शुभमन ने हाल ही में आईपीएल में वास्तव में अच्छा प्रदर्शन किया है।

वह एक बेहतरीन प्रतिभा है और परिपक्व हो गया है। वह कई वर्षों से भारतीय टीम के लिए खेल रहा है। मुझे लगता है कि वह टेस्ट कप्तानी संभालने के लिए एकदम सही उम्मीदवार है, और मुझे यकीन है कि वह इसे अच्छी तरह से संभालेगा और टीम का नेतृत्व करेगा। यह अब नई पीढ़ी है - जेन जेड - और मुझे विश्वास है कि वह शानदार

काम करेगा। मेरी शुभकामनाएं। इसके अलावा धवन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2025 (आईपीएल 2025) जीतने के लिए मुंबई इंडियंस (एमआई) का भी समर्थन करते हुए उन्हें एक संतुलित टीम कहा। उन्होंने कहा, इस बार आईपीएल बहुत रोमांचक रहा है। फाइनल के लिए मेरा समर्थन मुंबई इंडियंस के साथ होगा। मुंबई इंडियंस की टीम वास्तव में अच्छा खेल रही है - वे बहुत संतुलित हैं। जिस तरह से उन्होंने गति प्राप्त की है वह शानदार है और वे एक बहुत मजबूत और संतुलित टीम हैं। इसलिए, मैं मुंबई इंडियंस के साथ हूं।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिपः भाला फेंक में सचिन यादव ने जीता रजत, अरशद नदीम को स्वर्ण

एजेंसी

गुमी। भारत के स्टार भाला फेंक एथलीट सचिन यादव ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक अपने नाम कर लिया। उन्होंने इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा और दविंदर सिंह कांग जैसे दिग्गजों की सूची में अपना नाम दर्ज करवा लिया है। सचिन यादव लंबे समय तक मेडल की दौड़ से बाहर थे, लेकिन अंतिम दो प्रयासों में उन्होंने बाजी पलट दी। उन्होंने 83.03 मीटर और 85.16 मीटर के दमदार थ्रो कर सीधे दूसरे स्थान पर छलांग लगा दी और रजत पदक अपने नाम किया। पाकिस्तान के अरशद नदीम ने प्रतियोगिता में दबदबा बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने अपने तीसरे प्रयास से लय पकड़ी और

86.40 मीटर का जबरदस्त थ्रो करते हुए पहले स्थान पर कब्जा जमाया। उन्होंने आखिरी थ्रो में भी अपने प्रदर्शन को बेहतर किया। भारत के एक और भाला फेंक एथलीट यशवीर सिंह ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए 82.57 मीटर की थ्रो के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ हासिल किया और पांचवें स्थान पर रहे। हालांकि, विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में क्वालिफाई करने के लिए 85.50 मीटर की थ्रो अनिवार्य है, जो सचिन और यशवीर दोनों से थोड़ी दूर रह गई।

किसान परिवार से निकला सितार

उत्तर प्रदेश के बागपत के पास खेकड़ा गांव के एक किसान परिवार से ताल्लुक रखने वाले सचिन यादव की यह थ्रो उनके करियर की दूसरी सर्वश्रेष्ठ रही। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 84.39 मीटर का था। भारत के स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा ने इस प्रतियोगिता से किनारा कर डायमंड लीग पर फोकस करने का निर्णय लिया। उन्होंने हाल ही में दोहा डायमंड लीग में 90 मीटर की दूरी पार कर इतिहास रचा था।

केएल राहुल ने BCCI से भारत ए टीम में चयन का किया आग्रह, जल्द इंग्लैंड के लिए होंगे रवाना

एजेंसी

नई दिल्ली। खेल के सबसे बहुमुखी क्रिकेटरों में से एक केएल राहुल अपनी इंडियन प्रीमियर लीग फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स को प्रतियोगिता के प्लेऑफ में नहीं पहुंचा पाए। दिल्ली अंततः 5वें स्थान पर रही। हालांकि शीर्ष 4 में जगह बनाने में विफल रहने पर राहुल ने कथित तौर पर खुद को भारत ए के इंग्लैंड दौरे के लिए उपलब्ध कराकर अंतरराष्ट्रीय ड्यूटी में शामिल होने का फैसला किया है। राहुल ने कथित तौर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से कहा है कि वह दूसरे अनौपचारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ भारत ए के लिए खेलना चाहते हैं। श्रृंखला की शुरुआत 30 मई को कैंटरबरी में पहले मैच से हो गई है। हालांकि राहुल उस मैच के लिए समय पर टीम में शामिल नहीं हो सके, लेकिन कहा जा रहा है कि वह दूसरे मैच के लिए टीम में जगह बनाने के लिए उत्सुक हैं। इस इरादे से बीसीसीआई और चयन समिति के प्रमुख अजीत अगरकर को भी अवगत करा दिया गया है। सूत्र के हवाले से एक न्यूज रिपोर्ट में कहा गया, वह उड़ान भरेंगे और भारत ए की ओर से दूसरा अनौपचारिक टेस्ट खेलेंगे। चूंकि वह सीनियर पुरुष टीम का हिस्सा हैं, जो सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेलेगी, इसलिए इन मैचों से उन्हें खेलने का समय और मैच अभ्यास मिलेगा।' इंग्लैंड लायंस और भारत ए के बीच दूसरा अनौपचारिक टेस्ट 06 जून से शुरू होगा। इसके बाद सीनियर भारतीय टीम 13 जून को बेकेनहैम में एक इंट्रा-स्क्वाड मैच में शामिल होगी। 5 मैचों की सीरीज का पहला टेस्ट 20 जून को लीड्स में शुरू होगा।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप : अनिमेष कुजूर ने 200 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़कर जीता कांस्य

एजेंसी

गुमी। भारत के युवा धावक अनिमेष कुजूर ने एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ 20.32 सेकंड में पूरी करका राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज मेडल) अपने नाम किया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल की, बल्कि भारत के लिए एथलेटिक्स के इतिहास में भी एक नई उपलब्धि जोड़ दी।इस साल की शुरुआत में फेडरेशन कप के दौरान अनिमेष ने 20.40 सेकंड का समय लेकर राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया था। अब उन्होंने उस रिकॉर्ड को और बेहतर करते हुए नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है। अनिमेष कुजूर भारत के लिए एशियन एथलेटिक्स

चैंपियनशिप के इतिहास में पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में पदक जीतने वाले केवल दूसरे धावक बने हैं। इससे पहले धर्मबीर सिंह ने 2015 में इस इवेंट में भारत के लिए मेडल जीता था।

भारत अब तक जीत चुका है 19 मेडल

इस मेडल के साथ भारत ने इस चैंपियनशिप में अब तक कुल 19 पदक जीत लिए हैं, जिसमें 8 गोल्ड, 7 सिल्वर और 4 ब्रॉन्ज मेडल शामिल हैं। मेडल तालिका में भारत दूसरे स्थान पर है, जबकि चीन पहले स्थान पर काबिज है। अनिमेष कुजूर का यह प्रदर्शन भारतीय एथलेटिक्स के भविष्य के लिए एक बड़ा संकेत है, और उनकी इस सफलता ने देशवासियों को गर्व से भर दिया है।

सिनर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में

पेरिस। विश्व के नंबर 1 खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चेक गणराज्य के जिरी लेहेका को मात्र 94 मिनट में 6-0, 6-1, 6-2 से हराकर फ्रेंच ओपन के चौथे दौर में अपनी जगह पक्की कर ली। इतालवी शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने 2024 यूएस ओपन और 2025 ऑस्ट्रेलियन ओपन में खिताब जीतने के बाद अब ग्रैंड स्लैम मैच जीतने की अपनी लकीर को 17 तक पहुंचा दिया है। इस सीजन में शानदार फॉर्म में चल रहे सिनर ने बेसलाइन से खेल को नियंत्रित किया और अपने प्रतिद्वंद्वी को मुश्किल से ही कोई मौका दिया। सिनर ने शुरुआत में ही खेल में नियंत्रण हासिल कर लिया और 6-0, 5-0 की बढ़त बना ली, लेकिन लेहेका ने आखिरकार सर्विस को बनाए रखा। कुल मिलाकर, इतालवी खिलाड़ी ने लेहेका के 45 अंकों के मुकाबले 91 अंक जीते और उन्हें कभी ब्रेक प्वाइंट का सामना नहीं करना पड़ा।

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025: पारुल चौधरी को 5000 मीटर में रजत, विथ्या-पूजा ने जीता कांस्य

एजेंसी

गुमी। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में भारतीय एथलीटों का शानदार प्रदर्शन जारी है। भारत की तीन महिला एथलीटों ने पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया। महिलाओं की 5000 मीटर रेस में भारत की पारुल चौधरी ने 15:15.33 सेकंड का समय निकालते हुए रजत पदक अपने नाम किया। यह रेस कजाकिस्तान की नोरा जेरुटो तनुई ने 14:58.71 सेकंड के समय के साथ जीती, जबकि जापान की युमा यामामोटो को 15:16.86 सेकंड के साथ कांस्य पदक मिला।तमिलनाडु की 26 वर्षीय विथ्या रामराज ने महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में 56.46 सेकंड का समय निकालते हुए कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में चीन की मो जियाडी ने स्वर्ण और बहरीन की ओलुवाकेमी मुजिदात अडेकोया ने रजत पदक हासिल

किया। दिन के अंत में महिलाओं की 800 मीटर रेस में भारत की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2:01.89 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकाला और कांस्य पदक अपने नाम किया।भारत का एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में अब तक का प्रदर्शन संतोषजनक रहा है, और देश को आगे और पदकों की उम्मीद है।

इंडिया ए 557 रन पर ऑलआऊट, Tom Haines का शतक, इंग्लैंड लायंस 237-2

एजेंसी

नई दिल्ली। इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ पहले अनौपचारिक टेस्ट के दूसरे दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी स्थिति मजबूत कर ली। करुण नायर ने शानदार दोहरा शतक (204 रन, 281 गेंद, 26 चौके, 1 छक्का) जड़कर भारत के लिए टेस्ट टीम में वापसी का मजबूत दावा पेश किया। इंडिया ए ने अपनी पहली पारी में 125.1 ओवर में 557 रन बनाए। पहले दिन इंडिया ए ने 409/3 का स्कोर बनाया था, जिसमें नायर (186*) और ध्रुव जुरेल (82*) नाबाद रहे। सरफराज खान ने भी 92 रनों की शानदार पारी खेली, लेकिन वह शतक से चूक गए। दूसरे दिन नायर ने अपनी पारी को आगे बढ़ाते हुए दोहरा शतक पूरा किया, जबकि जुरेल 94 रन बनाकर आउट हुए। इंग्लैंड लायंस की ओर से जोश हल ने 2/51 और एडी जैक ने 1/51 विकेट लिए। इंग्लैंड लायंस ने अपनी पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक 235/2 रन बनाए, जिसमें टॉम हेन्स ने शानदार शतक (नाबाद 100) जड़ा। वह अभी भी क्रीज पर हैं, लेकिन इंडिया ए 322 रनों की बढ़त के साथ मजबूत स्थिति में है। इंडिया ए के गेंदबाजों में हर्ष दुबे और अंशुल

कंबोज ने एक-एक विकेट लिया। यह मैच इंडिया की इंग्लैंड के खिलाफ आगामी पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले अहम अभ्यास माना जा रहा है, जो 20 जून से लीड्स में शुरू होगी। नायर, सरफराज, और जुरेल जैसे खिलाड़ियों ने इस मौके का फायदा उठाकर राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने की दावेदारी मजबूत की है। यह मैच भारत में टेलीविजन पर प्रसारित नहीं हो रहा है, लेकिन इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की वेबसाइट और ऐप पर लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध है।

दोनों टीमें

इंडिया एः अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करुण नायर, ध्रुव जुरेल, नितीश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, इशान किशन, मानव सुथार, तनुष कोटियन, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, खलील अहमद, रुतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंसः जेम्स रीव (कप्तान), फरहान अहमद, रेहान अहमद, सोनी बेकर, जॉर्डन कॉक्स, रॉकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हेन्स, जॉर्ज हिल, जोश हल, एडी जैक, बेन मैककिनी, डैन मौस्ले, अजीत सिंह डेल, क्रिस वोक्स, मैक्स होल्डन।

युजवेंद्र चहल की रूमर्ड गर्लफ्रेंड

आरजे महवश

का क्रिप्टिक पोस्ट- कभी किसी के साथ गलत...

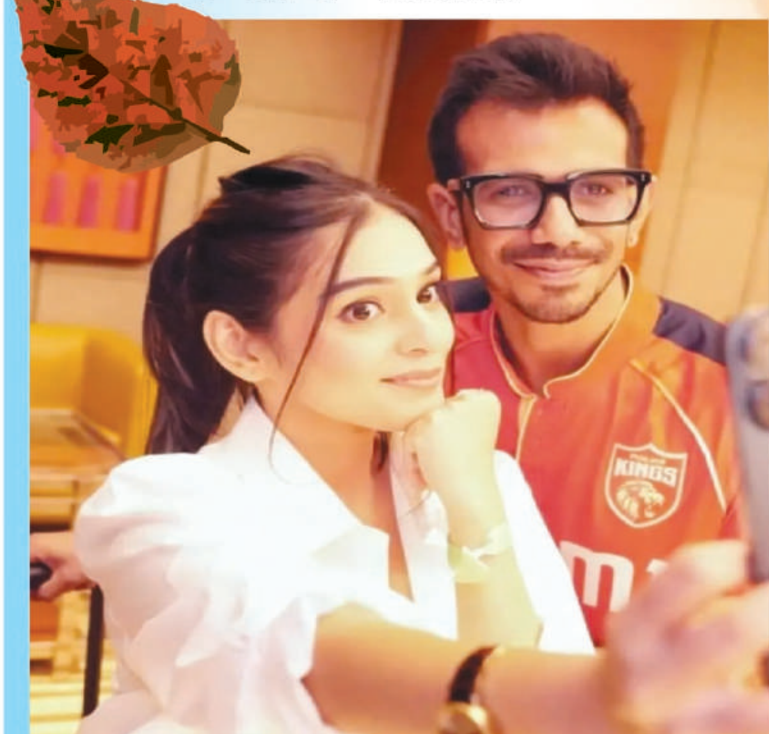

युजवेंद्र चहल और आरजे महवश काफी समय से सुर्खियों में हैं। महवश, चहल कई बार पब्लिकली साथ नजर आते हैं। चहल के हर मैच में महवश उन्हें सपोर्ट करने आती हैं और उनके लिए स्पेशल पोस्ट भी करती हैं। अब महवश ने एक क्रिप्टिक पोस्ट किया है जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस पोस्ट में महवश ने अपने एथिक्स को फॉलो करके जीने की बात कही है।

क्या है महवश का पोस्ट

महवश ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर लिखा, सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण क्या है, आपको पता है कि आपने कभी किसी के साथ गलत नहीं किया। आपके इरादे हमेशा अच्छे रहे हैं और आपको याद है कि आपको एक दिन भगवान के पास जाना है। अपने एथिक्स के साथ जियो। बाकी लोग जो बोलते हैं वो बस शोर है तो उसे कैंसल करो।

महवश ने अपनी फोटोज भी शेयर की हैं और लिखा कि प्रिडिक्शन = फाइनल मैच आरसीबी और पंजाब किंग्स इलेवन के बीच होगा। हालांकि जो क्वाटरफाइनल मैच हुआ था आरसीबी और पंजाब के बीच उसमें पंजाब हार गई।

पैपराजी से छिपकर चहल से मिलने गईं

अभी हाल ही में महवश का एक वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें वह चहल से मिलने होटल जाते दिखीं। इस दौरान उन्होंने हुडी पहनी थी और चेहरा मास्क से कवर किया हुआ था। हालांकि जब पैपराजी ने उन्हें स्पॉट कर लिया तब वह तेजी से वहां से चली गईं।चहल और महवश का नाम तबसे काफी चर्चा में है जबसे चहल का तलाक हुआ है। चहल और महवश के रिलेशन की काफी खबरें आती हैं, लेकिन दोनों हमेशा एक-दूसरे को दोस्त बताते हैं।

बिजी शेड्यूल से ज्यादा जरूरी है फैमिली... दीपिका पादुकोण की डिमांड के बीच, सैफ अली खान ने बताई अपनी राय

दीपिका पादुकोण मां बनने के बाद से अब दोबारा फिल्मों में वापसी कर रही हैं. हालांकि, उनकी कोई भी फिल्म आने से पहले ही एक्ट्रेस लोगों के बीच विवादों में घिर गई हैं. दरअसल, कुछ वक्त पहले तक खबर थी कि दीपिका फिल्ममेकर संदीप रेड्डी वांगा की स्पिरिट में प्रभास के अपोजिट नजर आने वाली हैं. लेकिन बाद में पता चला कि एक्ट्रेस ने फिल्म को छोड़ दिया है, इसकी वजह सामने आने पर बताया गया कि एक्ट्रेस सेट पर 8 घंटे के शेड्यूल की डिमांड कर रही थीं. इसी बीच सैफ अली खान का भी एक बयान सामने आया है.स्ट्रिक्ट शूटिंग शेड्यूल को लेकर कई लोगों ने दीपिका की तरफदारी की है, तो वहीं कई एक्टर्स ने इसे अपने हिसाब से गलत बताया है. इसी बीच सैफ अली खान ने भी लंबे शेड्यूल में काम करने की बात बताई. उन्होंने कहा कि बिजी वर्क शेड्यूल की जगह वो अपनी फैमिली को ज्यादा प्रायोरिटी देना चाहते हैं. सैफ ने खुद के बारे में बात करते हुए कहा, मुझे बहुत नफरत है कि मैं घर आऊं और मेरे बच्चे तब तक सो चुके हो.

बिजी शेड्यूल सक्सेस नहीं है

एक्टर ने अरब मीडिया समिट में बात करते हुए कहा कि इस बिजी शेड्यूल को सक्सेस नहीं कहते हैं, बल्कि सक्सेस उसे कहते हैं, जब आप ये कह पाएं कि नहीं, अब मुझे घर जाना है और अपनी फैमिली के साथ वक्त बिता पाएं. साथ ही सैफ ने कहा, हमें साल में चार छुट्टियां मिलती हैं और जब मेरे बच्चे छुट्टी पर होते हैं, तो मैं काम नहीं करता हूं. मैं एक ऐसी उम्र में हूं, जहां मुझे अपनी मां और अपने बच्चे दोनों पर ध्यान देने की जरूरत है.

फैमिली टाइम है जरूरी

सैफ ने काम को जरूरी बताने के साथ ही फैमिली के साथ वक्त बिताने को भी जरूरी कहा है. अपनी जिंदगी में सक्सेस के बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, मेरे लिए सक्सेस वो है, जब मैं काम को नहीं बोलूं और अपने फैमिली टाइम को हां कर दूं. हालांकि, दीपिका की बात करें, तो कई स्टार्स ने उनकी डिमांड को सही बताया है.

कई लोगों का कहना है कि एक्ट्रेस का फिक्स टाइम के लिए डिमांड करना सही है, इससे वो अपनी बेटी के साथ भी वक्त बिता पाएंगी.

वो गाना जिसके लिए थिएटर में खड़े होकर रोते थे लोग, 50 साल बाद लिखने वाले की बेटी के साथ हुआ ये चमत्कार

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में समय-समय पर ऐसी फिल्में आती रही हैं जो सिनेमा के इतिहास में अमर हो गईं. कई फिल्मों के साथ उनके गाने भी काफी पसंद किए गए थे. ऐसी ही एक फिल्म रही 'जय संतोषी मां' और उसका गाना, गीत या भजन कह लीजिए 'मैं तो आरती उतारूं रे' भी काफी पॉपुलर हुआ था. जय संतोषी मां की रिलीज के 50 साल पूरे हो चुके हैं, हालांकि आज भी ये फिल्म और इसके गाने लोगों की जुबां पर चढ़े रहते हैं. इसका इससे बढ़िया उदाहरण क्या होगा कि हाल ही में एक शख्स अपनी बांसुरी पर 'मैं तो आरती उतारूं रे' भजन बजाते हुए उस शख्यियत के घर पहुंच गया जिसने इसे लिखा था.

'मैं तो आरती उतारूं रे' जैसा अमर गीत दिवंगत कवि प्रदीप की कलम से निकला था. उनका असली नाम रामचंद्र नारायणजी द्विवेदी था, लेकिन उन्हें कवि प्रदीप के नाम से जाना जाता है. उनकी बेटी मितुल प्रदीप ने हाल ही में अपने साथ हुए एक ऐसे वाकये का जिक्र किया जो अपने आप में इस फिल्म और इसके गाने के 5 दशक के बाद भी जीवंत होने का प्रमाण है. आइए जानते हैं कि कवि प्रदीप की बेटी के साथ आखिर ऐसा क्या हुआ ?

कवि प्रदीप की बेटी के साथ हुआ ये चमत्कार

'जय संतोषी मां' साल 1975 में रिलीज हुई थी. कवि प्रदीप की बेटी मितुल ने हाल ही में अपने दिवंगत पिता की कलम के जादू का एक जीवंत किस्सा शेयर किया. उन्होंने कहा, एक शुक्रवार सुबह एक शख्स मेरे घर के बाहर बांसुरी पर 'मैं तो आरती उतारूं रे' बजा रहा था और इसे लगातार दोहरा रहा था. मैंने उससे ऐसा करने का कारण पूछा.

थिएटर में रोने लगते थे लोग

मितुल से उस शख्स ने कहा, दीदी पचास साल पहले मैं अपनी मां के साथ फिल्म 'जय संतोषी मां' देखने गया था. जब थिएटर में ये भजन बजा तो महिलाएं खड़ी हो गईं, रोने लगीं और कईयों ने तो सिनेमाघर में ही मां संतोषी की आरती उतारी. ये नजारा बेहद रोमांचकारी था.उस शख्स ने आगे कहा, मेरी मां की आंखों में भी आंसू आ गए थे. वो भी आरती उतारना चाहती थी. हम अगले दिन फिर से ये फिल्म देखने गए. इस बार मेरी मां ने भी संतोषी माता की आरती थिएटर में की. जब मुझे पता चला कि ये प्रदीप जी का घर है जिन्होंने ये भजन लिखा था तो मैंने उन्हें अपनी बांसुरी के जरिए अपनी श्रद्धांजलि देने आया हूं. इसे किसी चमत्कार का नाम दिया जाए तो किसी को भी कोई हैरानी नहीं होगी. लोग न सिर्फ सिनेमाघरों में पूजा की थाली बल्कि कुमकुम, चावल, ढोलक,मजीरा आदि भी लाते थे और मां की आरती-पूजा करते थे.

काजोल देवगन

ने ठुकरा दी थी आमिर खान की ये ब्लॉकबस्टर फिल्म, 55 करोड़ के बजट में कमाए थे 460 करोड़

हिंदी सिनेमा की मशहूर एक्ट्रेस काजोल जल्द ही फिल्म 'मां' में नजर आने वाली हैं. ये एक हॉरर फिल्म है. हालांकि, इससे पहले काजोल बड़े पर्दे पर कई सुपरहिट और ब्लॉकबस्टर फिल्में दे चुकी हैं. उन्होंने कुछ ब्लॉकबस्टर फिल्मों को रिजेक्ट भी कर दिया था. ऐसी ही एक फिल्म आमिर खान और करीना कपूर खान की भी शामिल रही, जिसे काजोल ने रिजेक्ट कर दिया था और उसने बाद में बॉक्स ऑफिस पर ब्लॉकबस्टर सफलता हासिल की थी. जिसने महज 55 करोड़ के बजट में 460 करोड़ रुपये कमा डाले थे.काजोल ने अपने करियर में एक से बढ़कर एक फिल्मों में काम किया. हालांकि इस दौरान उन्होंने कुछ ऐसे फैसले भी लिए जिनका उन्हें आज भी अफसोस होता होगा. काजोल को 2009 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म 'थ्री इडियट्स' का भी ऑफर मिला था. उन्हें मेकर्स ने करीना कपूर वाला रोल ऑफर किया था, लेकिन एक्ट्रेस ने ये फिल्म ठुकरा दी थी.

55 करोड़ में बनी थी फिल्म

2009 में रिलीज हुई आमिर खान और करीना कपूर की इस पिक्चर में आर माधवन, शरमन जोशी, ओमी वैद्य और बोमन ईरानी जैसे मशहूर कलाकारों ने भी काम किया था. इसके प्रोड्यूसर विधु विनोद चोपड़ा थे, जबकि इसका डायरेक्शन राजकुमार हिरानी ने किया था. मेकर्स ने इस फिल्म पर 55 करोड़ रूपये खर्च किए थे.

460 करोड़ कमाकर लूटा बॉक्स ऑफिस

काजोल ने जो फिल्म रिजेक्ट कर दी थी उसने बॉक्स ऑफिस पर तगड़ा कलेक्शन किया था. इसने भारत में 202 करोड़ का कारोबार किया था. वहीं वर्ल्डवाइड कमाई का आंकड़ा 460 करोड़ रुपये से ऊपर पहुंच गया था. इसी के साथ थ्री इडियट्स बॉलीवुड की ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर फिल्मों की लिस्ट में शुमार हो गई.

कब रिलीज होगी काजोल की 'मां' ?

काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'मां' को लेकर सुर्खियों में हैं. इसका ट्रेलर हाल ही में रिलीज हुआ है जो दर्शकों को काफी पसंद आ रहा है. इसमें उनकी बेटी का किरदार खीरिन शर्मा निभा रही हैं. काजोल मां में अपनी बेटी की रक्षा राक्षस से करती हुई नजर आएंगी. फिल्म को अजय देवगन फिल्म्स और जियो स्टूडियो ने मिलकर बनाया है. इसका डायरेक्शन 'छोरी 2' के डायरेक्टर विशाल फुरिया ने किया है. 'मां' सिनेमाघरों में 27 जून को दस्तक देगी.

नॉर्थ-ईस्ट में बाढ़ और भूस्खलन ने मचाया कोहराम

सिक्किम में फंसे 1500 से अधिक पर्यटक; मणिपुर में 883 घर तबाह

नई दिल्ली। भारत के पूर्वोत्तर राज्य मणिपुर में अचानक आई बाढ़ ने राज्य में कहर बरपाया है और पिछले 48 घंटों में राज्य भर में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से 3802 लोग प्रभावित हुए हैं। इस दौरान 883 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं।

अधिकारियों ने बताया कि राज्य की राजधानी इंफाल के कई इलाके और इंफाल पूर्वी जिले के कई हिस्से जलमग्न हो गए हैं। भारी बारिश की वजह से उफनती नदियों ने खुरई, हिगांग और चेकोन के इलाकों में तटबंध तोड़ दिए हैं।

कितने लोगों को अब तक बचाया गया?

मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने इंफाल के कई जलमग्न इलाकों का दौरा किया, जबकि सेना और असम राइफल्स के जवानों ने सबसे ज्यादा प्रभावित जिले इंफाल ईस्ट में जलमग्न इलाकों से करीब 8000 लोगों को बचाया है।राजभवन की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि राज्यपाल ने मुख्य सचिव पीके सिंह और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ इंफाल में कांगला नोंगपोक थोंग, लैरिक्येंगबाम लेइकाई और सिंगजामेई ब्रिज का दौरा किया और समग्र स्थिति का आकलन किया।

जानवरों की भी हुई मौत

एक अधिकारी ने बताया कि शनिवार तक कुल 3275 इलाके या गांव भारी बारिश से प्रभावित हुए हैं। दो लोग घायल भी हुए हैं और 64 जानवरों की मौत भी हुई है। उन्होंने बताया कि राज्य में अब तक कुल 12 भूस्खलन हुए हैं।

एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चेकोन क्षेत्र में इंफाल नदी के उफान पर आने के बाद ऑल इंडिया रेडियो इंफाल परिसर और सरकारी जवाहरलाल नेहरू आयुर्विज्ञान संस्थान सहित कई कार्यालयों और प्रतिष्ठानों के परिसर में जलभराव की खबर है।

पूर्वोत्तर में हालात बदतर: शाह ने राज्यों के सीएम से की बात, कहा- मदद के लिए चट्टान की तरह खड़ी

नई दिल्ली

पूर्वोत्तर भारत में बारिश से हाल बेहाल है। यहां चरम मौसमी स्थितियों से उपजे हालातों में 14 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। जहां बाढ़ के कारण असम में ही करीब 78 हजार लोग प्रभावित हुए हैं वहीं, अरुणाचल प्रदेश, असम और मिजोरम में बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पूर्वोत्तर के चार राज्यों असम, मणिपुर, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से बात कर हालात की जानकारी ली है।

चार राज्यों के सीएम से गृहमंत्री ने की बात

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने ट्वीट कर बताया है कि असम, मणिपुर, सिक्किम और अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से उनके राज्यों में जारी भारी बारिश के मद्देनजर बात की। साथ ही उन्हें किसी भी स्थिति से निपटने के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

'भविष्य के युद्ध को चार तरीकों से आकार दिया जाएगा'

नई दिल्ली

शांगरी-ला संवाद में 'भविष्य की चुनौतियों के लिए रक्षा नवाचार समाधान' पर चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने अपनी बात रखी। इस दौरान उन्होंने विकसित भू-राजनीतिक गतिशीलता और तेजी से हो रहे तकनीकी बदलावों पर प्रकाश डाला, जिससे युद्ध की प्रकृति को फिर से परिभाषित हो रही है।

उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रौद्योगिकी के लोकतंत्रीकरण ने गैर-राज्य अभिनेताओं को सशक्त बनाया है, जिससे छद्म युद्ध और अस्थिरता को बढ़ावा मिला है। गैर-राज्य अभिनेता ऐसी संस्थाएं, समूह या संगठन होते सकते हैं जो स्वतंत्र रूप से काम करते हैं। सीडीएस का मतलब आतंकवादी संगठनों और आतंक के आकाओं से था।

'भविष्य के युद्ध को चार तरीकों से आकार दिया जाएगा'

सीडीएस ने जोर देकर कहा कि भविष्य के युद्ध को चार तरीकों से आकार दिया जाएगा- सभी डोमेन में सेंसर का प्रसार, लंबी दूरी के हाइपरसोनिक और सटीक हथियार, स्वायत्त प्रणालियों के साथ मानव-मानव रहित टीमिंग और एआई, एमएल, एलएलएम और क्वांटम तकनीक द्वारा संचालित युद्धक्षेत्र का बुद्धिमत्ताकरण।

'आत्मनिर्भरता के माध्यम से क्षमता विकास'

सीडीएस ने अनुकूलनशीलता, नवाचार और आत्मनिर्भरता के माध्यम से क्षमता विकास के दृष्टिकोण को भी रेखांकित किया। इसमें जिक्र किया गय कि कैसे भारत ने परिचालन आवश्यकताओं और स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल प्रणालियों को विकसित करने में 'रणनीति-आधारित आधुनिकीकरण' योजना को अपनाते हुए निजी उद्योग के साथ सहयोगी रक्षा विनिर्माण पारिस्थितिकी तंत्र बनाया है।

शांगरी-ला वार्ता की सराहना की

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि चल रहे परिवर्तन में सिद्धांत, संगठनात्मक संस्कृति और मानव पूंजी में बदलाव शामिल होंगे, जहां भारत की अनूठी भौगोलिक स्थिति, अनुभव और आकांक्षाएं उसके रक्षा दृष्टिकोण को आकार देती हैं। जनरल अनिल चौहान ने वैश्विक शांति और जिम्मेदार नवाचार के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की और वैश्विक स्थिरता की सामूहिक खोज में संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने के लिए शांगरी-ला वार्ता की सराहना की।

'सूचना युद्ध के लिए एक अलग और विशेष शाखा की जरूरत'

शांगरी-ला संवाद में सीडीएस ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के वक्त महसूस हुआ कि हमें सूचना युद्ध के लिए एक अलग और विशेष शाखा की जरूरत है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के शुरूआती दौर में दो महिला अधिकारी मीडिया को जानकारी दे रही थी क्योंकि उस समय वरिष्ठ सैन्य अधिकारी वास्तविक ऑपरेशन में व्यस्त थे। उन्होंने कहा कि भले ही भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे पर साइबर हमले किए, लेकिन भारत की सैन्य प्रणालियां इंटरनेट से जुड़ी नहीं हैं,

सरिस्का में बाघिन एसटी-19 ने चार शावकों को दिया जन्म, कुल संख्या हुई 49

अलवर

सरिस्का बाघ अभयारण्य के बरेली बाड़ी क्षेत्र में स्थित बफर जोन में बाघिन एसटी-19 ने चार शावकों को जन्म दिया है। इस उपलब्धि के साथ ही सरिस्का में बाघों की कुल संख्या बढ़कर 49 हो गई है। यह पहला अवसर है जब बफर जोन में एक ही समय में चार शावकों का जन्म हुआ है। वर्तमान में इस क्षेत्र में सात वयस्क बाघ-बाघिन पहले से ही निवास कर रहे हैं। राजस्थान के वन मंत्री संजय शर्मा ने रविवार को इस खुशखबरी को सोशल मीडिया पर साझा करते हुए बताया कि एसटी-19 सरिस्का की तीसरी ऐसी बाघिन है जिसने एक साथ चार शावकों को जन्म दिया है। इससे पहले टाइग्रेस एसटी-12 और एसटभ्-22 भी चार-चार शावकों को जन्म दे चुकी हैं। मंत्री ने यह भी कहा कि सरिस्का में बाघों की संख्या में लगातार वृद्धि हो रही है और जल्द ही यह आंकड़ा 50 को पार कर सकता है। वन विभाग के मुख्य वन संरक्षक (सीसीएफ) संग्राम सिंह ने जानकारी दी कि कैमरा ट्रैप में बाघिन और उसके शावकों की तस्वीरें रिकॉर्ड हुई हैं और सभी पूरी तरह स्वस्थ हैं। उन्होंने आमजन से अपील की है कि वे बाघिन की सुरक्षा के दृष्टिगत उक्त क्षेत्र में प्रवेश न करें और किसी प्रकार का हस्तक्षेप न करें। गौरतलब है कि बफर जोन में अब कुल 11 बाघ, बाघिन और शावक हैं, जबकि एक बाघ को पहले ही रामगढ़ विषधारी अभयारण्य में स्थानांतरित किया जा चुका है। विशेषज्ञों का मानना है कि बाघों की संख्या में हो रही यह वृद्धि न केवल जैव विविधता के लिए सकारात्मक संकेत है, बल्कि इससे क्षेत्रीय पर्यटन को भी नया प्रोत्साहन मिलेगा, क्योंकि सरिस्का में बाघों की दृश्यता (साइटिंग) में वृद्धि देखी जा रही है।

हिमाचल में सैलानियों की चहल-पहल बढ़ी, शिमला में 80 फीसदी होटल पैक

शिमला

गर्मी के तेवर तीखे होते ही मैदानी इलाकों से बड़ी संख्या में सैलानी राहत की तलाश में हिमाचल के हिल स्टेशनों का रुख कर रहे हैं। इससे होटलों की ऑक्यूपेंसी बढ़ गई है।

अंतर्राष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस पर सीएम का संकल्प: "सुरक्षित बचपन ही सशक्त राष्ट्र की नींव"

जयपुर

अंतरराष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस के अवसर पर राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बच्चों के अधिकारों और सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण संदेश दिया। उन्होंने एक्स पर लिखा कि "सुरक्षित बचपन ही सशक्त राष्ट्र की नींव है!" मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि इस अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि प्रत्येक बालक और बालिका के अधिकारों की रक्षा करते हुए उनके सर्वांगीण विकास, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, समुचित स्वास्थ्य सेवाएं और एक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सतत प्रयास करें।

मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर भी जोर दिया कि बच्चों को भयमुक्त और सम्मानजनक जीवन मिले, जिससे वे राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभा सकें।उन्होंने प्रदेशवासियों, शिक्षकों, अभिभावकों और समाज के हर वर्ग से आह्वान किया कि वे बाल संरक्षण के इस संकल्प में सहभागी बनें।

उल्लेखनीय है कि अंतरराष्ट्रीय बाल रक्षा दिवस बच्चों के अधिकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से हर वर्ष एक जून को मनाया जाता है।

अस्पताल के कर्मचारियों द्वारा मारपीट के मामले को पुलिस दबा रही है - पम्मा

दिव्य दिल्ली : पटेल नगर स्थित सरदार वल्लभ भाई पटेल अस्पताल में अस्पताल के स्टाफ डॉक्टर्स, हाउसकीपिंग और सिक्योरिटी गार्ड्स के कर्मचारियों द्वारा मारपीट का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है` जिसमें तीन युवकों रूप सिंह गुसांई, शेखर, दीपक खत्री के साथ हुई बेरहमी से हुई बर्बरता पूर्ण मार-पिटाई के इसी मुद्दे को लेकर नेशनल अकाली दल के अध्यक्ष परमजीत सिंह पम्मा ने कहा "बड़े दुख की बात है, 22 मई की घटना को लेकर सप्ताह से ऊपर हो गया है मगर पटेल नगर पुलिस थाना की ओर से दोषियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई ना ही कोई एफआईआर दर्ज की गई"। ऐसा लगता है पुलिस व हॉस्पिटल की मिली भगत से दोषियों को बचाने की कोशिश हो रही है।पम्मा ने कहा इसको लेकर नेशनल अकाली दल व विभिन्न सामाजिक संगठन सरदार वल्लभ भाई अस्पताल व पटेल नगर पुलिस के खिलाफ जंतर मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।इस अवसर पर रूप सिंह गुसांई ने बताया व अस्पताल में किसी का इलाज कराने गए थे जिस पर कहा-सुनी होने के बाद अस्पताल के कर्मचारियों व डॉक्टरों ने उन्हें कमरे में बंद कर बेल्टों, लात-घूंसों, डंडो से बहुत मारा, जो की बहुत निंदनीय है। तीनों युवकों को गंभीर चोटे भी आई है मगर पुलिस हॉस्पिटल के दोषी कर्मचारियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करने को तैयार नहीं है।

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के लिए डीएमके तैयार

मदुरै

तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले डीएमके ने तैयारी शुरू कर दी है। रविवार को पार्टी की बैठक में सीएम एमके स्टालिन ने नए सदस्यता अभियान ओरानियिल तमिलनाडु की शुरूआत की। इससे पहले पार्टी की आम परिषद बैठक में स्टालिन ने सदस्यता अभियान का प्रस्ताव पेश किया। उन्होंने घर-घर जाकर सदस्स्यता अभियान चलाने, राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में लोगों तक जानकारी पहुंचाने और अधिकारों की रक्षा के लिए संघर्ष करने की बात कही। इसके बाद पार्टी ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर कम से कम 30 प्रतिशत मतदाताओं को सदस्य के रूप में नामांकित करने का लक्ष्य रखा और प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया गया।

पार्टी ने सदस्यता अभियान की शुरूआत करते हुए नए सदस्य बनाए हैं। पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को बूथ लेवल पर सदस्य बनाने का काम सौंपा गया है।

मदुरै में पार्टी की बैठक 20 एकड़ जगह पर लगे पंडाल में हुई। इसे डीएमके मुख्यालय अन्ना अरिवलयम जैसा बनाया गया था। सीएम एमके स्टालिन ने 100 फीट ऊंचे मस्तूल पर पार्टी का झंडा फहराया और पार्टी बैठक का उद्घाटन किया। इससे पहले शनिवार को मुख्यमंत्री स्टालिन ने यहां 22 किमी लंबा रोड शो निकाला और मदुरै के पूर्व मेयर एस मुथु की कांस्य प्रतिमा का अनावरण भी किया। इससे पहले डीएमके चार साल पूरे होने पर भी स्टालिन ने पार्टी कार्यकताओं को तमाम निर्देश दिए थे। पार्टी कार्यकताओं को लिखे एक पत्र में स्टालिन ने कहा था कि पार्टी की कल्याणकारी नीतियों और वादों को निभाने की वजह से जनता फिर से डीएमके को चुनेगी।

राजस्थान में दो जून से फिर बदल सकता है मौसम का मिजाज, कई जिलों में यलो अलर्ट जारी

जयपुर

राजस्थान में एक बार फिर पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने जा रहा है। मौसम विभाग के अनुसार दो जून से प्रदेश में नया पश्चिमी विक्षोभ दस्तक देगा, जिसके चलते दो से चार जून के बीच दोपहर के बाद प्रदेश के कई जिलों में तेज मेघगर्जन, आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है। मौसम विभाग ने रविवार को भी प्रदेश के 14 जिलों में आंधी और बारिश को लेकर अलर्ट जारी किया है। साथ ही दो से चार जून के बीच अधिकांश हिस्सों में बादल छाने, तेज हवाएं चलने और बारिश की गतिविधियों की संभावना जताई है।

मौसम विभाग ने अजमेर, अलवर, बांसवाड़ा, बारां, भरतपुर, भीलवाड़ा, बूंदी, चित्तौड़गढ़, दौसा, धौलपुर, डूंगरपुर, जयपुर, झालावाड़, झुंझुनूं, करौली, कोटा, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाईमाधोपुर, सीकर, टोंक, उदयपुर, बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़ और श्रीगंगानगर जिलों में यलो अलर्ट जारी किया है।

मध्य प्रदेश में अबकी बार मई में 53 जिलों में हुई बारिश, टूटे रिकॉर्ड, प्रदेश में 7 गुना गिरा पानी

भोपाल

मध्य प्रदेश में नौतपा में आंधी-बारिश का दौर जारी है। प्रदेश में जून महीने में लू की संभावना नहीं है। आज भी कई हिस्सों में बूंदाबांदी का अलर्ट जारी किया गया है। जबकि कई जगहों पर दिन का तापमान बढ़ेगा। वहीं कई जिलों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। प्रदेश में ऐसा पहली बार हुआ जब प्रदेश के किसी न किसी जिले में आंधी-बारिश न हुई हो। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-जबलपुर समेत कुल 53 जिले भीगे।

मौसम विभाग के अनुसार, मई महीने में बारिश के कई रिकॉर्ड भी टूटे। इंदौर में 139 साल में सबसे ज्यादा 4.6 इंच पानी गिरा।

'जयचंद हर जगह, अंदर भी और बाहर भी', तेज ने तेजस्वी को किया आगाह

पटना

बिहार सरकार में पूर्व मंत्री और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव का बड़ा बयान सामने आया है। तेज प्रताप यादव ने इस बार अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के लिए रविवार दोपहर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट किया है। उन्होंने तेजस्वी से कहा कि मेरे भाई मैं हर परिस्थितियों में तुम्हारे साथ हूं। तुम जयचंदों से सावधान रहना क्योंकि वह हर जगह हैं। तेज प्रताप यादव के पोस्ट में राजनीतिक गलियारे में हलचल मचा दी है सोशल मीडिया पर यह पोस्ट खूब वायरल हो रहा है।

तेज प्रताप बोले हर जहां हैं जयचंद

पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव ने अपने छोटे भाई को अर्जुन कहा। सोशल मीडिया पर लिखा कि मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे। कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो लेकिन खुद कृष्ण को नही। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। बस मेरे भाई भरोसा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं। फिलहाल दूर हूं लेकिन, मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह हैं। अंदर भी और बाहर भी हैं। इसीलिए सावधान रहना।

इससे पहले लालू राबड़ी के लिए यह लिखा था

इससे पहले तेज प्रताप यादव ने सोशल मीडिया पर पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव और राबड़ी देवी के लिए पोस्ट लिखा था। उन्होंने माइक्राब्लॉगिंग साइट 'एक्स' पर लिखा, मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप है तो सब कुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए न कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो न ये पार्टी होती और न मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहे हमेशा।

सेना ने मुंबई में किया उच्च स्तरीय सुरक्षा अभ्यास, गैर-परंपरागत खतरों से निपटने की तैयारी

मुंबई

गैर-परंपरागत खतरों के बदलते स्वरूप के मद्देनजर भारतीय सेना ने मुंबई में एक उच्च स्तरीय संयुक्त अंतर-सेवा सुरक्षा अभ्यास किया। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय ने एक बयान में जानकारी दी कि यह दो दिवसीय अभ्यास 30 और 31 मई को कोलाबा के सैन्य प्रशिक्षण क्षेत्र और मुंबई के फोर्स वन प्रशिक्षण क्षेत्र में आयोजित किया गया, जिसका समापन बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में हुआ। बयान में कहा गया, गैर-परंपरागत खतरों के बदलते स्वरूप और वर्तमान बढ़े हुए सुरक्षा माहौल के जवाब में भारतीय सेना ने एक उच्च स्तरीय संयुक्त अंतर-सेवा सुरक्षा अभ्यास आयोजित किया। इस दो दिवसीय अभ्यास में सेना, नौसेना, वायु सेना, तटरक्षक बल, फोर्स वन (महाराष्ट्र) और मुंबई पुलिस ने भाग लिया।

Published, printed and owned by Rajesh.Chauhan, printed at B B Graphic printer Z--57 Okhla Industrial Area ph.2 New Delhi -110020 and published at BG 6 305 B Paschim Vihar New Delhi --110063 Editor Rajesh.Chauhan. E mail ID-rajeshchauhan4569@gmail.com, Contact No. - 9873104569, RNI No DELENG/2013/54397